● जयपुर, रविवार, 20 अक्टूबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 64 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 मोदी सरकार की कृषि सुधार योजनाओं से उत्पादन और किसानों की आय में हो...

पेज @4 पति की लंबी उम्र और कल्याण के लिए महिलाएं करती हैं करवा चौथ...

पेज @8 शाखा जीवन में गहन और सघन साधना का मूल साधन है : वी. शान्ता...

न्यूज़ अपडेट

अंतराष्ट्रीय फ्लाइट में मिली बम की धमकी, मचा हड़कंप, जयपुर एयरपोर्ट पर हुई इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर/एजेंसी। विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला जारी है। एक और इंटरनेशनल फ्लाइट में बम की धमकी मिलने के बाद उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या आईएक्स-196 में बम की धमकी मिली। यह विमान दुबई से जयपुर आ रहा था। रात 12.45 बजे फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। रात 1 बजकर 20 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस विमान में कुल 189 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे विमान की तलाशी ली। लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। पिछले कुछ दिनों में भारतीय विमान कंपनियों द्वारा संचालित लगभग 40 उड़ानों को बम की धमकियां मिली थीं, हालांकि बाद में ये सभी झूठी साबित हुईं। नागर विमानन मंत्रालय, विमानन कंपनियों को मिल रहीं बम की झूठी धमकियों की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें अपराधियों को 'नो-फ्लाइ' सूची में डाला जा सकता है। इस सूची का मकसद उपद्रवी यात्रियों की पहचान करना और उन्हें विमान में चढ़ने से प्रतिबंधित करना है।

बाबा सिद्दीकी के बाद लॉरेंस बिश्नोई का अगला निशाना हों राहुल गांधी', मच गया बवाल

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में सोशल मीडिया पर विवादास्पद पोस्ट करने के आरोप में ओडिया एक्टर बुद्धादित्य मोहंती के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एनएसयूआई की राज्य इकाई के अध्यक्ष उदित प्रधान ने 'कैपिटल' पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें विवादित पोस्ट साझा करने के लिए मोहंती के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। इस पोस्ट को अब हटा दिया गया है।

प्रधान ने कहा, सोशल मीडिया पोस्ट में मोहंती ने कहा है कि एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का अगला निशाना कांग्रेस सांसद राहुल गांधी होने चाहिए। हम अपने नेता के खिलाफ ऐसी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने शिकायत के साथ पुलिस को सोशल मीडिया पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी सौंपा। पुलिस ने बताया कि उन्हें शिकायत मिल गई है और वे इसकी जांच कर रहे हैं। मोहंती ने अपनी विवादित पोस्ट के लिए माफी मांगते हुए शुक्रवार को फेसबुक पर लिखा, राहुल गांधीजी के बारे में मेरी पिछली पोस्ट का उद्देश्य उन्हें निशाना बनाना, नुकसान पहुंचाना या किसी भी तरह से उनका अपमान करना नहीं था.. न ही उनके खिलाफ कुछ लिखना था.. अनजाने में अगर मैंने किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है..

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अफ्रीकी देशों की यात्रा के अंतिम चरण में पहुंचीं मलावी, बोलीं

भारतवंशियों का कल्याण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी

लिलोंग्वे (मलावी)। तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मलावी पहुंचीं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत के बाहर रह रहे अपने देशवासियों का कल्याण करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनकी सरकार भारतीयों की चिंता को दूर करने और उनकी सुरक्षा, कल्याण और उन्नति सुनिश्चित करने के लिए विश्व में अपने सहयोगियों के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि भारत आपसी विश्वास, समानता, और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित अफ्रीकी महाद्वीप के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है। अफ्रीका के साथ सहयोग का हमारा मॉडल स्थानीय संसाधन का उपयोग करने और क्षमता निर्माण का है। यह अफ्रीका की आवश्यकताओं की प्राथमिकता पर आधारित है।

मलावी से भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंध

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि ग्लोबल साउथ के अग्रणी सदस्य के रूप में भारत विश्व की दोतिहाई जनसंख्या के हितों का प्रतिनिधित्व करने की अपनी भूमिका को गंभीरता से लेता है। मलावी में आप सभी के बीच उपस्थित होकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। भारत और मलावी के राजनयिक संबंधों को 60 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह रिश्ते ऐतिहासिक हैं। मलावी से भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंध भी हैं।

कई मुद्दों पर की चर्चा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का मलावी के राष्ट्रपति लाजर मैक्कार्थी चकवेरा ने स्टेट हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने भारत-मलावी संबंधों को सुदृढ़ करने के अलावा कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लिलोंग्वे में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया। उन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध और अन्य सैन्य अभियानों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों और नागरिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि दी, जिनके बलिदान को इस स्मारक में महत्व दिया गया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मलावी के पहले राष्ट्रपति डॉ. हेस्टिंग्स कमुजु की समाधि पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

बिहार के बांका में कार ने श्रद्धालुओं को कुचला, 5 लोगों की मौत, गुस्साई भीड़ ने पुलिस वाहन में लगाई आग

बांका/एजेंसी। बिहार के बांका में तेज रफ्तार कार ने कई श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हुई है जबकि करीब 10-11 लोग घायल हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। इसलिए मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। घटना से गुस्साए लोगों ने एक पुलिस के वाहन में आग लगा दी और रोड पर हंगामा किया। सूचना मिलते ही जिले के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और भीड़ को शांत कराया।

● हादसे में करीब 11 लोग घायल

एसडीएम अविनाश कुमार ने कहा कि हादसे की सूचना के बाद हम तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना में करीब 10-11 लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। स्थिति शांतिपूर्ण है और प्रशासन पूरा सहयोग कर रहा है। हम घटना की जांच करेंगे।

● गुस्साए लोगों ने पुलिस की गाड़ी में लगाई आग

पुलिस ने कहा कि बांका जिले में शुक्रवार रात एक वाहन के कुचलने से पांच कांवरियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सभी कांवरिये सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर जैष्टगोरनाथ महादेव मंदिर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस वाहन को भी आग के हवाले कर दिया। हादसे की खबर पाकर मौके पर एसडीएम और पुलिस के बड़े अफसरों के साथ आसपास के थानों की पुलिस भी पहुंची और भीड़ को शांत कराया।

● यूपी में भी दो श्रद्धालुओं की मौत

इस बीच, एक धार्मिक स्थल से लौट रही एक निजी बस की चपेट में आने से दो लोगों की जान चली गई और 20 अन्य घायल हो गए। यूपी के सिद्धार्थनगर के ढेबरुआ थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात बलरामपुर रोड पर अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। सभी पीड़ित शोहरतगढ़ तहसील के महनकोला गांव के रहने वाले थे।

तेलंगाना में हिंदू मंदिरों पर हमलों से भड़का विश्व हिंदू परिषद

● आज राज्यव्यापी आंदोलन का एलान कांग्रेस सरकार को घेरा

तेलंगाना/एजेंसी। में हिंदू मंदिरों पर हमलों के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया। 19 अक्टूबर यानी आज विश्व हिंदू परिषद राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगा। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में दो सप्ताह में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित करने के मामले सामने आ चुके हैं।

पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर लिया है। उधर, भाजपा ने घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी से कराने की मांग की। कई अन्य धार्मिक संगठनों ने भी इन घटनाओं पर रोष व्यक्त किया। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि तेलंगाना के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

अक्टूबर महीने में हैदराबाद में मूर्तियों को खंडित करने के दो मामले सामने आए। घटना के विरोध में भाजपा समेत कई धार्मिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। मंदिर में तोड़फोड़ के खिलाफ स्थानीय लोगों ने भी अपना विरोध दर्ज कराया। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने मुत्यालम्मा मंदिर का दौरा भी किया। उन्होंने कहा कि जानबूझकर कुछ लोग हैदराबाद में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

हिंदू प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त करने का पहला मामला हैदराबाद के बेगम बाजार पुलिस थाना अंतर्गत नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में सामने आया। यहां पूजा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा को खंडित किया गया। पुलिस का कहना है कि घटना को एक आवारा व्यक्ति ने अंजाम दिया है। हालांकि उसने यह जानबूझकर नहीं किया है।

देश में संविधान और मनुस्मृति के बीच है लड़ाई : राहुल गांधी

रांची /एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को मनुस्मृति को संविधान विरोधी पुस्तक करार दिया। झारखंड की राजधानी रांची के डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में आयोजित 'संविधान सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और मनुस्मृति के बीच की लड़ाई वर्षों से चली आ रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि संविधान की किताब भले ही 1949-1950 में लिखी गई, लेकिन इसके पीछे की सोच हजारों साल पुरानी है। भगवान बुद्ध, गुरु नानक, बाबा साहेब अंबेडकर, बिरसा मुंडा, नारायण गुरु और बसावना जैसे महापुरुषों की सोच के आधार पर इसे रचा गया है। ऐसे महापुरुष और उनकी महान सोच नहीं होती तो संविधान की रचना ही नहीं होती। इसी सोच पर आज चौतरफा हमला हो रहा है। आज संविधान की रक्षा का सवाल सबसे बड़ा है। केंद्र की सरकार पर हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान पर केवल नरेंद्र मोदी और अमित शाह नहीं, बल्कि उनके साथ कई लोग मिलकर आक्रमण कर रहे हैं। उनका लक्ष्य है कि संविधान को खोखला और खत्म कर दिया जाए। लेकिन, हम यह होने नहीं देंगे। जातीय जनगणना का संकल्प दोहराते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि इस देश के 90 प्रतिशत लोगों का हक एक प्रतिशत लोग मिलकर छीन रहे हैं। 90 प्रतिशत लोगों का इतिहास मिटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम हर हाल में जातीय जनगणना कराएंगे और इसके साथ ही 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को खत्म करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पूरी स्कूली शिक्षा हिन्दुस्तान में हुई है। स्कूलों के पाठ्यक्रम में आदिवासियों के बारे में एक पूरा चैप्टर तक नहीं है। इनके इतिहास, जीने के तौर-तरीकों, उनके विज्ञान, दर्शन और राजनीति का कहीं कोई जिक्र नहीं है। दलितों के बारे में सिर्फ एक लाइन है कि उनसे छुआछूत का व्यवहार होता है। इसी तरह ओबीसी, किसान, मजदूर, बढ़ई, नाई, मोची- इन तमाम लोगों का इतिहास कहीं लिखा ही नहीं गया है, जबकि हिन्दुस्तान में 90 प्रतिशत लोग यही हैं।

देश की अफसरशाही संरचना को भेदभावपूर्ण करार देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि देश के बड़े मंत्रालयों में दलित, आदिवासी और पिछड़े अफसर नहीं के बराबर हैं। आज अगर देश में 100 रुपये खर्च करने का निर्णय लिया जाता है, तो इसमें दलितों, पिछड़ों और आदिवासी अफसरों की हिस्सेदारी बेहद कम है। पिछड़े वर्ग के अफसर 10 प्रतिशत, दलित अफसर मात्र एक रुपये और आदिवासी अफसर मात्र 10 पैसा खर्च करने का निर्णय ले पाते हैं। राहुल गांधी ने मीडिया, कॉरपोरेट वर्ल्ड, ज्यूडिशियरी, लीगल सिस्टम, ब्यूरोक्रेसी से लेकर बॉलीवुड तक में दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों की बेहद कम भागीदारी का सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें उनका हक और हिस्से से दूर रखा गया है।

यूपी उपचुनाव पर एक्शन मोड में सीएम योगी, प्रभारी मंत्रियों को बुलाया, इस खास रणनीति पर होगी चर्चा

लखनऊ/एजेंसी। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। चुनाव आयोग ने 13 नवंबर को वोटिंग की तारीख तय कर दी है। सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ उपचुनाव को लेकर एक्शन मोड में हैं। इसे लेकर सीएम आवास पर एक अहम बैठक होनेवाली है। इस बैठक में सभी 9 सीटों को जीतने के प्लान पर रणनीति तैयार की जाएगी। जिन-जिन जिलों में चुनाव होने हैं वहां के प्रभारी मंत्रियों को बुलाया गया है। सीएम योगी ने टीम-30 को उपचुनाव में सभी 9 सीटें जीतने का टारगेट दिया है।

● हृष्ट और इंडिया अलायंस के बीच सीधी टक्कर

यूपी में 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद ये उपचुनाव बीजेपी के लिए साख की लड़ाई बन गई है। लोकसभा चुनाव की तरह ही इस बार फिर हृष्ट और इंडिया अलायंस के बीच सीधी टक्कर है। सपा ने 7 कैंडिडेट दिए हैं। कांग्रेस के खाते में 2 सीटें गई हैं। मिल्कीपुर सीट पर अभी तारीख का ऐलान नहीं हुआ है। सपा ने पहले से यहां सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को टिकट दिया है।

सौगात प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा

देश को देंगे 6611 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को वाराणसी आएंगे। वह काशी से ही 6,611.18 करोड़ की कुल 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कर पूरे देश को सौगात देंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, धर्म, पर्यटन से रोजगार, आवास और विमानन जैसी कई सुविधाओं का लोकार्पण करेंगे। वह वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण और नए टर्मिनल भवन की नींव भी रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय को आमजन के लिए लोकार्पित करेंगे और सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 20 हजार से

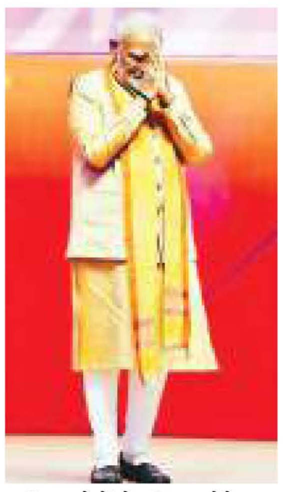

अधिक लोगों से संवाद करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार करीब 1 बजे प्रधानमंत्री वाराणसी पहुंचेंगे और लगभग 6 बजे काशी से रवाना हो जाएंगे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री की अगवानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी।

ढोल-नगाड़ों और पुष्प वर्षा से होगा स्वागत

भाजपा के काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री के रविवार को काशी आगमन पर उनका स्वागत काशीवासी ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा से करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी जगह-जगह स्वागत की तैयारी की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबतपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हरहुआ गाजीपुर रिंग रोड स्थित शंकरा नेत्रालय के उद्घाटन के बाद सड़क मार्ग से सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पहुंचकर परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री एक बड़ी जनसभा को सिगरा स्टेडियम में सम्बोधित करेंगे।

शंकरा आई हॉस्पिटल का होगा शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्री कांची कामकोटि मेडिकल ट्रस्ट की ओर से हरहुआ गाजीपुर रिंग रोड-1 मायोपुर गांव में 90 करोड़ की लागत से निर्मित आधुनिक आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल का शुभारंभ भी करेंगे। इस अस्पताल से पूरे पूर्वांचल व यूपी से सटे हुए अन्य प्रदेशों के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की आंखों की बीमारियों का बेहतर तथा निःशुल्क इलाज होगा।

इन परियोजनाओं का होगा लोकार्पण

- वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, सिगरा का पुनर्विकास
- सारनाथ में पर्यटन पुनर्विकास कार्य
- सीपेट परिसर, करसड़ा में छात्रावास का निर्माण
- डा. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, लालपुर में 100 बेड क्षमता के बालक-बालिका छात्रावास व पब्लिक पवेलियन का निर्माण
- वाराणसी शहर में 20 पार्कों के सौंदर्यीकरण व पुनर्विकास कार्य
- महिला आईटीआई चौकाघाट व आईटीआई करौंदी में हाई-टेक लैब का निर्माण
- सेंट्रल जेल, वाराणसी में बैरकों का निर्माण कार्य
- सीपेट परिसर, करसड़ा में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र का निर्माण
- बाणासुर मंदिर एवं गुरुधाम मंदिर में पर्यटन विकास कार्य
- सेन्ट्रल जेल, वाराणसी में 48 कर्मचारी आवास का निर्माण कार्य
- टाउन हाल शापिंग काम्प्लेक्स का निर्माण कार्य
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भरथरा में आवासीय भवनों का निर्माण कार्य
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिरईगांव का निर्माण कार्य
- ककरमत्ता फ्लाइओवर के नीचे एक्टिविटी जोन एवं पार्किंग का निर्माण कार्य

छत्तीसगढ़ में आईईडी विस्फोट

आईटीबीपी के दो जवान शहीद, दो जवान घायल

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शनिवार को आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से आईटीबीपी 53 बटालियन के दो जवानों का बलिदान हो गया जबकि नारायणपुर जिला पुलिस के दो जवान घायल हो गए हैं। बताया गया कि अबूझमाड़ इलाके के ओरछा, मोहंदी एवं ईरकभट्टी से आईटीबीपी, बीएसएफ एवं डीआरजी की संयुक्त पार्टी अपने अभियान के लिए धुरबेड़ा की ओर रवाना हुई थी। आज दोपहर संयुक्त टीम के अभियान से वापसी के दौरान करीब 12 बजे के मध्य ग्राम कोडलियर के समीप जंगल में आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से आईटीबीपी 53 बटालियन के दो जवान 36 वर्षीय अमर पनवार निवासी महाराष्ट्र और 36 वर्षीय के. राजेश निवासी कडप्पा, आंध्र प्रदेश बलिदानी हो गये जबकि नारायणपुर जिला पुलिस के दो जवान घायल हुए हैं। नारायणपुर जिला पुलिस के घायल दोनों जवानों की हालत सामान्य है। इन जवानों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई है। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जाति के सामाजिक यथार्थ को स्वीकार करने की जरूरत

हम असीम अस्तित्व के अंग हैं। इसलिए लघु से महत होने की संभावनाएं भी हैं। हम शरीरधारी हैं। हमारी पहली सीमा शरीर है। इससे सम्बंधित बड़ी सीमा परिवार है। परिवार के बाद बड़ी संस्था है समाज। परिवार तक ही सीमित रहे तो समाज से अलग रहते हैं। यूरोप और अमेरिकी समाज परिवार से भी पहले वाली सीमा में है। वे व्यक्तिवादी हैं। भारत में परिवार और समाज से राष्ट्रभाव का विकास हुआ है। भारतीय पूर्वज राष्ट्र की सीमा के बाहर भी आत्मीय रूप में संवेदनशील थे। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अनुभूति भारतीय चिंतन से ही निकली है। इसके बाद आकाश, सौरमंडल और फिर असीम ब्रह्म विस्तार का आच्छादन। यहां इकाई अनंत हो गई है। मैं इन पंक्तियों का लेखक भारतीय समाज की जाति सच्चाई के अनुसार ब्राह्मण जाति का हूं। जाति सीमा को तोड़ कर बाहर आऊं तो मानव समाज का हिस्सा हूं। हम इसे और गहरे अनुभव करते हैं तो मैं विश्व मानवता का सदस्य। इसे और फैलाता हूं तो प्रकृति का भाग हूं। अब मैं कीट, पतिंग और वनस्पति जगत का भी सहोदर हूं। मैं अंततः ब्रह्मांड का हिस्सा हूं।

संपूर्णता पूर्ण है। पूर्ण में पूर्ण घटाओ तो पूर्ण ही बचता है। संपूर्णता आनंदित करती है। संसार का ज्ञान जरूरी है लेकिन हम स्वयं से पूरा परिचित नहीं हैं। आखिरकार हम हैं कौन? प्रश्न का उत्तर आसान नहीं है। हम ही प्रश्नकर्ता है और हम उत्तरदाता। मोटे तौर पर हम सबका उत्तर होगा कि हम मनुष्य हैं। मनुष्य का अर्थ है मनु के। मनु का उल्लेख ऋग्वेद में है, अथर्ववेद में भी है। दर्शन अनुभूति में हम चेतन हैं। लोक व्यवहार में हम भारतीय अमेरिकी या जापानी वगैरह भी है। हम विराट प्रकृति का अंग है। आस्तिकता के कारण हम जरथुस्त्र, ईशा, इस्लाम या भारतीय धर्म के अंग हैं। हमारे बहिरंग परिचय के अनेक रूप हैं। हम पिता हैं, पुत्र हैं। अनेक रिश्तों के बंधन में हैं। अनेक परिचय हैं हमारे। हम किसी न किसी जाति के भी हैं और जाति में होने का कारण हमारा किसी समूह विशेष में जन्म लेना ही है। लेकिन भारत में जातियां सामाजिक यथार्थ हैं। वे न होतीं तो अच्छा होता। जातियां सामाजिक एकता में बाधक हैं। जाति सामाजिक सच्चाई है। जातियां जन्मना हैं। कोई भी व्यक्ति स्वयं अपनी जाति नहीं चुन सकता। इनका ढांचा सोपान क्रम में है। इसके शीर्ष वाली जातियों का सम्मान रहा है। सीढ़ी में निचली जातियां काफी लम्बे समय से सामाजिक सम्मान से भी वंचित रही हैं।

डॉ. अम्बेडकर ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय (1916) में ''जातियों की उत्पत्ति और संरचना'' पर शोध प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था ''प्रत्येक समाज में भिन्न-भिन्न वर्ग होते हैं। बौद्धिक आर्थिक या अन्य कारणों से बने वर्ग अपना अस्तित्व भी रखते हैं। भारत में भी ऐसे ही वर्ग रहे होंगे। पुरानी भारतीय वर्ण व्यवस्था को कर्मश्रम आधारित वर्ग कहा जा सकता है। पहले वर्ण जन्मना नहीं थे। वर्ग भी जन्मना नहीं होते। डॉ. अम्बेडकर ने कहा कि, ''किसी समय किसी एक वर्ग वर्ण ने अपने ही वर्ण वर्ग में विवाह करने का बंधन लगाया होगा।'' वे कहते हैं ''जाति के उद्भव के अध्ययन से हमें इस प्रश्न का उत्तर मिलना चाहिए कि वह वर्ग कौन-सा था जिसने अपने लिए बाड़ा खड़ा किया। मैं इसका प्रत्यक्ष नहीं अप्रत्यक्ष उत्तर ही दे सकता हूँ। हिन्दू समाज में कुछ प्रथाएं सर्वव्यापी थीं। अपने समस्त प्रतिबंधों के साथ वे ब्राह्मणों में थीं। ब्राह्मण वर्ग ने स्वयं की घेराबंदी जाति रूप में क्यों की? यह एक भिन्न प्रश्न है?'' प्रश्न उचित है। ऋग्वैदिक काल में जाति वर्ण नहीं थे। उत्तर वैदिक काल में वर्ण हैं। वर्ण जन्मना नहीं थे। इसलिए जाति नहीं थी। जाति की जन्मतिथि खोजना असंभव है। जाति बंधन मजबूत है।

ब्राह्मणों पर जाति प्रथा लागू करने के आरोप अक्सर लगाए जाते हैं। डॉ. अम्बेडकर ने इसी शोध में कहा था, ''जाति व्यवस्था का प्रसार और विकास एक विशाल कार्य था। ब्राह्मण अनेक गल्तियां करने के दोषी रहे हों, कह सकता हूं कि वे ऐसे थे लेकिन जाति व्यवस्था को गैर ब्राह्मणों पर लाद सकने की क्षमता उनमें नहीं थी।'' सही बात है। कोई शक्तिशाली राजव्यवस्था भी अपने शासित लोगों के बड़े वर्ग समूह को जन्मना किसी जाति में ही रहने के लिए विवश नहीं कर सकती। जाति का उद्भव पूर्वजों के अचेत कर्म का परिणाम है। सामाजिक परिवर्तन की निरंतरता में जन्मना जातियां बनी। लेकिन हमारे सचेत पूर्वजों ने जाति समाप्ति के लिए अथक श्रम भी किये। गांधी, डॉ. अम्बेडकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. लोहिया, ज्योतिबा फुले और विवेकानंद दयानंद ने भी जाति भेद के विरोध में नवजागरण किया। इस श्रम के बावजूद कतिपय लोगों ने दलित जातियों को जब कब भिन्न नस्ल भी बताया। डरबन में अगस्त 2001 में ''नस्लवाद, नस्ली भेदभाव और असहिष्णुता'' पर विश्व कांग्रेस का आयोजन था। भारत के कुछेक लोगों ने उस वक्त दलितों को अलग नस्ल बताया था लेकिन डॉ. अम्बेडकर ने दलितों को कभी भी अलग नस्ल नहीं माना था। उन्हें उम्मीद थी कि जातियां खत्म ही होंगी। लिखा था ''जाति का चलते रहना असंभव है। ऐसा कार्य दिक्कतों से भरा है।'' सामाजिक समता अनिवार्य है। सामाजिक न्याय की दिशा में बेशक भारत का काम आगे बढ़ा है। जाति की अस्मिता ज्यादा दिन नहीं चल सकती है। राजनीति को सामाजिक परिवर्तन का काम भी करना चाहिए। जाति की विभाजनकारी शक्ति के विरुद्ध जन अभियान चाहिए। संविधान निर्माताओं ने जाति, लिंग या धर्म के आधार पर विभेद का निषेध किया है बावजूद इसके उत्पीड़न या प्रतिष्ठा जैसे सभी अवसरों पर जाति की पहचान आगे चलती है। अपने जिले या राज्य क्षेत्र में किसी के भी प्रतिष्ठित होते ही जाति के प्रश्न उठ जाते हैं। अनुसूचित या अन्य पिछड़े वर्गो के प्रतिष्ठित होने वाले लोग आशावाद भी जगाते हैं। वे वंचित निराश लोगों की प्रेरणा भी बनते हैं। दलित या अन्य पिछड़ा वर्ग होने के बावजूद कोई प्रतिष्ठा का आकाश छू रहा है तो उसी वर्ग के सामान्यजन भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते?

वैश्विक जलचक्र असंतुलन से जुड़ी चुनौतियों की गंभीरता

ललित गर्ग

असंतुलित जलचक्र के कारण समूची दुनिया के समुख पानी एक बड़ी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण समस्या बन रही है। पृथ्वी के चारों ओर पानी के घूमने की प्रणाली को जल-चक्र कहा जाता है, जीवन को संचालित करने के लिए जिसका सुचारु होना आवशयक होता है। पूरी दुनिया में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाओं की चेतावनी लम्बे समय से दिये जाने के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पानी के दुरुपयोग, जल संसाधनों के कुप्रबंधन, बदलते जलवायु, भूमि के बढ़ते उपयोग और वन क्षेत्रों में कटौती ने समूचे जल-चक्र को असंतुलित कर दिया है। कहते हैं कि पानी की असल अहमियत वही शख्स समझता है, जो तपते रेगिस्तान में एक बूंद पानी की खोज के लिए मीलों भटका हो। वह शख्स पानी की कीमत क्या जाने, जो नदी के किनारे रहता है। भारत के कई राज्यों में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले ही साल 21 शहरों में भूजल खत्म होने की आशंका व्यक्त करते हुए एक बार फिर चेताया है। नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं। जलसंकट पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। समय-समय पर प्रकृति चेतावनियां देती है पर आधुनिकता के कोलाहल में हम बहरा गये हैं। आज देश का कोना-कोना जल समस्या से ग्रस्त है। वर्ष 2018 में कर्नाटक ने अभूतपूर्व बाढ़ देखी थी, किंतु अब 2019 में उसके 176 में से 156 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं। महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ भयंकर जल समस्या का सामना कर रहे हैं।

विश्लेषकों द्वारा तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका पानी के लिए व्यक्त की जाती रही है। निकट भविष्य में पानी का प्रयोग अस्त्र रूप में भी संभावित है। कुछ समय पहले पाकिस्तान से तनाव हो जाने पर भारत द्वारा सिंधु नदी के प्रवाह को रोक कर पानी की उपलब्धता बाधित करने की चेतावनी दी गई थी। जबकि देश में ही पानी की अनुपलब्धता की समस्या पूरे राष्ट्र में पिछले 10-15 साल से चल

रही है। इसके मूल में नियमित रूप से वर्षा का न होना तथा सूखा पड़ते रहना तथा सरकार की गलत नीतियां भी हैं। पानी की उपलब्धता की स्थिति को देखते हुए यह लगने लगा है कि विश्वयुद्ध हो या न हो, पर हर गली- मोहल्ले में, शहर -शहर में, गांव- गांव में पानी के लिए 10-15 वर्ष में ही युद्ध होंगे और भाईचारे के साथ रह रहे पड़ोसी पानी के लिए आपस में लड़ेंगे।

भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश जल-समस्या से पीड़ित है। पृथ्वी पर तीन अरब लोग पहले से जल संकट का सामना कर रहे हैं। अब जल-चक्र असंतुलन से न जाने और कितने लोग संकट में आ जाएंगे। बड़ी चिंता यह भी कि इससे दुनिया की जीडीपी को आठ से पंद्रह प्रतिशत तक नुकसान हो जाएगा। दरअसल, प्रकृति की उपेक्षा के साथ-साथ सिर्फ अपना लाभ देखने की दुष्प्रवृत्ति ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। जल की बर्बादी, वन क्षेत्रों का खात्मा, पेड़-पौधों का लगातार काटना, ओजोन परत को नुकसान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु संकट और इन सब के कारण अंततः जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर ही आती आंच के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है। एक तथ्य यह भी है कि इन दुष्परिणामों की चिंता तो खूब होती रही है, लेकिन सरकारें एवं आमजन इस समस्या के प्रति उतना गंभीर नहीं है, जितनी अपेक्षा है। देश के जो क्षेत्र जल संकट की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं, उन क्षेत्रों में एक घड़े पानी की कीमत व्यक्ति या मनुष्य के जीवन से अधिक है। वहां गर्मी में तो महिलाएं प्रातःकाल से ही जल की व्यवस्था में जुट जाती हैं। बदलते जलवायु परिवर्तन का आलम यह है कि देश में जहां सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आ रही है। चरम जलवायु घटनाओं का स्वरूप बदल रहा है। जल चक्र पर भी इसका असर पड़ रहा है। बीते समय में चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इन्हीं घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और इसका मुकाबला करने के लिए मोदी सरकार ने मिशन मौसम शुरू किया है। 'मिशन मौसम' के तहत सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौसम की भविष्यवाणी को बेहतर बनाने का काम करेगी। हर साल चक्रवात, बाढ़, सूखा और हीटवेव जैसे जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं के चलते करीब 10,000 लोगों की मौत हो जाती है। 'मिशन मौसम' की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी से इनमें से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरकार ने 'मिशन मौसम' के लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इतना ही नहीं ये सरकार को आपदा के आने से पहले तैयार होने और उसके बाद जनजीवन को जल्द से जल्द सुचारु करने में भी मदद करेगा। मिशन 'मौसम प्रबंधन' तकनीकों का पता लगाएगा और इसमें कृत्रिम रूप से बादलों को विकसित करने के लिए एक प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना और नए उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ जोड़ना शामिल है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलों और बिजली के साथ-साथ इसे भी रोक सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलचक्र के असंतुलित होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर भी आवाज बुलंद होती रही हैं, पर जैसे हालात बनते जा रहे हैं इन चिंताओं का असर ढाक के तीन पात जैसा ही है। इससे भी गंभीर बात यह कि जल-चक्र बिगड़ने से दुनिया का आधा खाद्य उत्पादन ही खतरे में आ गया है। तब उन देशों का क्या होगा, जो पहले से खाद्यान्न संकट को झेल रहे हैं। जाहिर है, संकट में शामिल देशों की सूची बढ़ती ही जाएगी। कहना न होगा कि अब भी नहीं संभले और विकास का वैकल्पिक रास्ता नहीं खोजा, तो भयावह स्थिति को कोई नहीं रोक सकता। जलचक्र के असंतुलन की स्थिति का आकलन कोरी कल्पना पर आधारित नहीं है। विशेषज्ञों के समूह 'ग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर' ने तथ्यों और परिस्थितियों के गहन वैज्ञानिक अनुसंधानों और विश्लेषणों के माध्यम से भयावह हालात की ओर आगाह किया है। हालात चिंताजनक इसलिए हुए हैं क्योंकि सभी संसाधनों के क्षरण की गति बेतहाशा बढ़ गई है। समस्या न केवल वैश्विक है बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए वैश्विक स्तर के प्रयासों से ही जल-चक्र के असंतुलन से उत्पन्न परिस्थितियों के समाधान की राह तलाशनी होगी।

नीति आयोग के एक ताजा सर्वे के अनुसार भारत में 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट का सामना कर रही है। अपर्याप्त और प्रदूषित जल के उपभोग से भारत में हर साल 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार भारत में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर जिस प्रकार पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं, उससे लगता है कि 2030 तक भारत के 21 महानगरों का जल पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा और वहां पानी अन्य शहरों से लाकर उपलब्ध कराना होगा। जल से जुड़ी चुनौतियां एवं जलचक्र के असंतुलित होने की स्थितियों को स्वीकार कर हम भारतीयों को संकल्पित होना होगा इन चुनौतियों एवं समस्याओं से जूझने के लिये।

अब तो मैं भी लिखूंगा

दुर्गेश्वर राय

पिछले तीन दिनों से दो कमरों में अलमारी निर्माण का कार्य चल रहा था, जिसके कारण उन दोनों कमरों का भी सामान अन्य कमरों में शिफ्ट किया गया था। मन बेचैन हो उठा कि कैसे इन सारी चीजों को सुव्यस्थित तरीके से रख लूं। सभी वस्तुएं अत्यंत उपयोगी और महत्वपूर्ण थीं, लेकिन उनका इस तरह से बेतरतीब होना सबको निरर्थक होने की संज्ञा प्रदान कर रहा था। इसी उधेड़बुन में था कि बिटिया ने फोन पकड़ाते हुए कहा कि घंटी बज रही है।

"हेलो!"

"नमस्कार! कैसे हैं?"

"जी प्रणाम! ठीक हूं।"

"आज की कार्यशाला के लिए लिंक सभी साथियों को भेज दिया जाये। अन्य साथियों से भी बात कर आवश्यक तैयारी कर ली जाये।"

"जी बिल्कुल, बस चाय पी लूं।"

दरअसल बात यह है कि शैक्षिक संवाद मंच उत्तर प्रदेश द्वारा शिक्षक साहित्यकार प्रमोद दीक्षित मलय के संपादन में 'मेरी शिक्षकीय यात्रा' नामक आत्मकथा विधा आधारित एक साझा संग्रह शीघ्र प्रकाशय है। लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए शाम साढ़े चार बजे से एक आनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें डॉ. मुरारी झा (नई दिल्ली)द्वारा "लेखन की बुनियाद : देखना, समझना और व्यक्त करना" विषय पर शताधिक शिक्षकों से संवाद होना था।

शिक्षक पढ़ाएं या लिखें, शिक्षक क्यों लिखें, शिक्षक क्या लिखें, शिक्षक कैसे लिखें, शिक्षकों के लेख किसको पढ़ना चाहिए, क्या शिक्षकों के लेखों का संज्ञान लिया जाना चाहिए, इन सवालों के तह तक जाना शिक्षा, शैक्षिक व्यवस्था, बच्चे और समाज सबके लिए बहुत आवश्यक है। प्रशिक्षक डॉ० मुरारी झा ने बड़ी शालीनता और सहजता के साथ संवाद का सिलसिला शुरू किया, "जिस देश में 28 करोड़ से अधिक बच्चे पढ़ रहे हों, एक करोड़ से अधिक शिक्षक पढ़ा रहे हों वहां शिक्षा और शिक्षकों के बारे में शिक्षकों द्वारा लिखी किताबें गिनने पर हाथों की अंगुलियां भी पूरी नहीं होती है। यह शिक्षा व्यस्था का दुर्भाग्य है कि शिक्षा के बारे में ऐसे व्यक्ति लिख रहे हैं जिनका शिक्षा से सीधा सम्बंध नहीं है। और इससे भी अधिक दुर्भाग्य यह है कि इन्हीं पुस्तकों को आधार बनाकर नई नीतियों का निर्धारण किया जा रहा है।"

अरे! शिक्षकों का लेखन इस स्तर तक शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है क्या? ऐसा कभी सोचा भी न था। तभी मन ने कहा, "चलिए, यह बात तो समझ में आई कि शिक्षकों का लिखना जरूरी है। मगर शिक्षक लिखें तो क्या लिखें?"

"सीखना और सिखाना दोनों ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया है। जो व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया से गुजरता है वह निर्माण के पश्चात खुद को सशक्त महसूस करता है। शिक्षक बच्चों की आवाज को सबसे नजदीक से सुनता है। यदि शिक्षक बच्चों की आवाज लिखेगा तो वह सर्वश्रेष्ठ लिखेगा। शिक्षक को अपने अनुभवों को दर्ज करना है क्योंकि उसके अनुभव सबसे शानदार, प्रामाणिक और उपयोगी हैं। यह रिफ्लेक्टिव नोट आगे चलकर बहुत उपयोगी होने वाला है।"

"ये अनुभव तो तमाम अलग-अलग आयामों में होते हैं। दिन भर छोड़िए, एक ही कक्षा में शिक्षक कई सारे अनुभवों से गुजरता है। तो इन अनुभवों के मध्य सामंजस्य कैसे स्थापित करें?"

"लिखते समय शिक्षक को यह विचार दिमाग से निकाल देना चाहिए कि वह जो लिख रहा है बहुत साधारण है। जो चीज आप लिखते हैं वह आपके लिए साधारण हो सकती है लेकिन पढ़ने वाले के लिए वह प्रेरक और उपयोगी हो जाती है। शिक्षक को अपने अनुभवों को नियमित रूप से दर्ज करते रहना चाहिए। कुछ समय पश्चात जब आप उसे पढ़ेंगे तो उसके मध्य स्वयं ही पैटर्न बनते दिखाई देंगे और तब आप उसको एक महत्वपूर्ण पुस्तक के रूप में रि-प्रोड्यूस कर पाएंगे। यदि इन बातों को तारीख के साथ दर्ज करें तो आपके पुस्तक की ऑथेंटिसिटी और अधिक बढ़ जाएगी। लिखने के लिए महत्वपूर्ण चरण हैं-पढ़ना, अवलोकन, समझना, चिंतन और फिर व्यक्त करना।" कमरे में धीरे-धीरे अलमारी के हिस्से तैयार हो रहे थे। कमरा व्यवस्थित होने की राह पर चल पड़ा था। इधर संवाद जारी था।

"शिक्षक तो पढ़ाने के लिए प्रायः पढ़ते ही रहते हैं। फिर लिखने के लिए हमें क्या पढ़ना चाहिए?"

"सर्वप्रथम ऐसी पुस्तकों का चयन करना चाहिए जो शिक्षकों द्वारा लिखी गई हैं। इसमें गिजुभाई बधेका की पुस्तक 'दिवास्वप्न' अत्यधिक महत्वपूर्ण है। तोत्तोचान, बच्चे की भाषा और अध्यापक, टीचर आदि महत्वपूर्ण हैं जिन्हें लेखन शुरू करने से पूर्व अवशय पढ़ना चाहिए। इसके बाद दूसरा काम है अवलोकन। शिक्षक का सामान्य अवलोकन पढ़ने वाले के लिए बहुत खास होने वाला है। शिक्षक अपने दैनिक जीवन में किए गए अवलोकन के प्रति चिंतन करता ही है। बस जरूरत है इन चीजों को नोट करने की। नोट करने के प्रति शिक्षकों में एक रिजेक्शन सा रहता है। आप नहीं लिखेंगे तो आपके बारे में कोई और लिखेगा और फिर वही नरेटिव समाज में जाएगा जो वास्तविकता से बिल्कुल परे होगा।" पल भर के लिए मन ने कमरे की सैर कर ली और संवाद से पुनः जुड़ गया।

"यदि शिक्षक लिखने लगें तो उनके लिए क्या संभावनाएं हैं और वह शेष समाज को कैसे प्रभावित कर सकता है?"

"एक शिक्षक से पूछें कि वह क्यों लिखता है तो उसका प्रायः यही जवाब होता है कि वह अपने लिए लिख रहा है। यह उचित भी है। पहले स्वयं के लिए लिखिए और धीरे-धीरे आपका लेखन प्रभावी और धारदार होता चला जाएगा। आपका लेखन पाठ्यक्रम डेवलपमेंट के लिए, व्यवस्था निर्माण के लिए, असेसमेंट के तरीकों को डेवलप करने के साथ ही नीति निर्धारण में भी उपयोगी हो सकता है।"

सत्र समाप्ति की ओर था। मैं कमरे के एक कोने में बैठे-बैठे अपने घर को व्यवस्थित होने की खुशी महसूस कर पा रहा था। तभी पड़ोस के मंदिर की सायंकालीन आठ बजे की आरती के मंगल स्वर कानों में घुलने लगे थे।

(लेखक शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संयोजक हैं।)

रतन टाटा की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब नोएल टाटा पर

महाबीर सिंह

नमक से लेकर साफ्टवेयर बनाने वाले देश के सबसे बड़े उद्योग समूह, 'टाटा समूह' के सर्वेसर्वा पद्म विभूषण रतन एन. टाटा का देहांत हो गया। 'टाटा' एक ऐसा नाम जो भारत के हर क्षेत्र, हर गांव और हर देशवासी के मन में रचा बसा है। दूर दराज गांवों में हर व्यक्ति बेशक रतन टाटा को नहीं जानता रहा हो लेकिन 'टाटा' नाम उसके लिये अपरिचित नहीं है। टाटा नमक और टाटा चाय आज देश के हर कोने तक अपनी पहुंच रखती है। वास्तव में टाटा समूह ने अपने उत्पादों के जरिये ही अपनी पहचान बनाई है, उसके मालिकों ने, उसके ट्रस्टियों ने कभी भी अपना खुद का प्रचार प्रसार करके समूह की पहचान बनाने की कोशिश नहीं की। पारसी पुरोहित परिवार के नुसेरवांजी टाटा और जीवनबाई कवासजी टाटा की संतान जमेशदजी टाटा ने 1868 में एक व्यापार कंपनी शुरू की जिसने बाद में टाटा समूह का रूप लिया। उन्होंने कॉटन मिल और स्टील क्षेत्र से अपनी पहचान बनाई। वहीं, रतनजी दादाभाई टाटा के पुत्र जेआरडी टाटा ने टीसीएस, टाटा इंडस्ट्रीज, टाटा साल्ट, वोल्टाज और 1948 में एअर इंडिया इंटरनेशनल की शुरूआत कर टाटा समूह को नई पहचान दिलाई। रतन टाटा के देहांत के अगले दिन आर्थिक जगत के एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र ने लिखा - भारत ने अपना रत्न खो दिया। 86 वर्ष (28 दिसंबर 1937 से 09 अक्टूबर 2024) के रतन टाटा अब नहीं रहे। टाटा के टाइटन अब इस दुनिया में नहीं रहे, बढ़ती उम्र संबंधी बीमारी के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में बुधवार (09.10.2024) रात को उन्होंने अंतिम सांस ली। रतन टाटा ने 'टाटा समूह' का 30 साल से भी अधिक समय तक नेतृत्व किया। टाटा की बस, ट्रक, और अब टाटा की नई नई कारें सड़कों पर दौड़ती दिखती हैं। टाटा स्टील, टाटा टी, टाटा नमक, टाटा की टाटा संपन्न दालें, मसाले, टाटा की घड़ियां, टाटा की एयरलाइंस विस्तारा, अब एयर इंडिया भी, टाटा कंस्ट्रक्शन, टाटा साफ्टवेयर, टाटा कम्युनिकेशंस, टाटा पॉवर, टाटा केमिकल्स ... कहां तक नाम गिनायें, टाटा समूह हमारे जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा है और इसमें रतन टाटा की बड़ी भूमिका रही है। रतन टाटा समूह की 30 से अधिक कंपनियों का संचालन, निर्देशन करते रहे हैं, दुनिया के सौ से अधिक देशों में उनकी कंपनियां काम कर रहीं हैं, लेकिन देश दुनिया के अरब पतियों की सूची में कभी भी शीर्ष पर हमने उनका नाम नहीं देखा।

रतन टाटा दुनिया के जाने माने उद्योगपति रहे, लेकिन स्वभाव से वह बहुत सौम्य, शालीन और उदार व्यक्ति थे। ''मुझे अच्छी तरह से याद हैं कि एक बार दिल्ली के ताज होटल में जब वह किसी कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे, कार्यक्रम की समाप्ति पर जब वह बाहर निकल रहे थे तो मैंने एक पत्रकार के नाते उनसे सवाल पूछा। अपने बॉडीगार्डों के बीच चल रहे रतन टाटा ने बड़ी शालीनता से कहा ...... आप मेरे दफ्तर से संपर्क कर लें, तब बात कर लेंगे ..... तब उनके स्टाफ ने कार्ड दिया, जिस पर उनके कार्यालय से संपर्क किया जा सकता था। बाद में समय तय हुआ और इंटरव्यू लिया गया। उनकी सहजता और शालीनता से मैं प्रभावित हुये बिना नहीं रह पाया।'' उनके निधन का समाचार जैसे ही फैला मुंबई में उन्हें श्रद्धांजलि देने जन सैलाब उमड़ पड़ा। अगले दिन समाचार पत्रों के शीर्षक कुछ इस प्रकार थे --'नहीं रहे देश के रतन' 'हर आंख हुई नम','टाटा के टाइटन का बीमारी से निधन', 'जागरूक पूंजीपति जिसकी नजर कल पर थी; 'रतन टाटा -- दिल से एक आम आदमी'। ये शीर्षक रतन टाटा के व्यक्तित्व को बताने के लिये काफी हैं। जमेशदजी

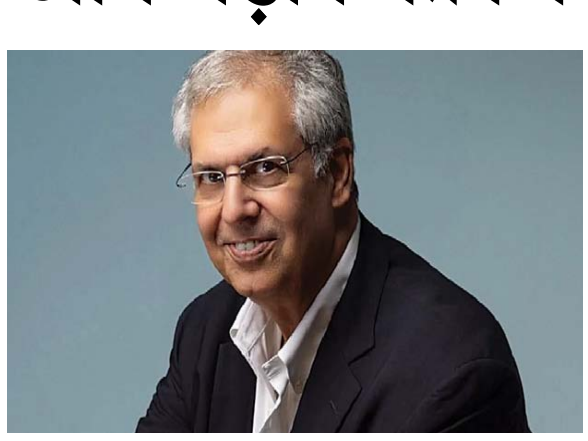

एन टाटा की तीन संतान - सर दोराबजी टाटा, धुनबाई टाटा और सर रतन टाटा - हुई। इनमें छोटे बेटे र्स रतन टाटा ने नवजबाई सेठ से विवाह किया और नवल एच. टाटा को गोद लिया। नवल एच टाटा ने सोनू कोमिसरिअत से विवाह किया। उनके दो बेटे -- रतन एन टाटा और जिम्मी एन टाटा हुये। रतन टाटा का बचपन बहुत अच्छा नहीं रहा। जब रतन टाटा 10 साल के थे उनके माता-पिता के बीच तलाक हो गया। उनका पालन पोषण उनकी दादी लेडी नवाजबाई ने किया। उनकी स्कूली पढ़ाई लिखाई मंबई में ही हुई। 17 वर्ष की आयु में वह आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिये कोरनेल यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क चले गये। 1962 में भारत लौटने से पहले उन्होंने लास एंजलिस में जॉन एण्ड एमॉन्स में कुछ समय काम किया। 1974 में वह टाटा संस के निदेशक मंडल में शामिल हुये। 1975 में उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम पूरा किया, जिसके बाद 1981 में वह टाटा इंडस्ट्रीज के चेयरमैन नियुक्त कर दिये गये। उन्होंने टाटा समूह की रणनीतिक योजना तैयार की। 1986 से 1989 तक वह एयर इंडिया के चेयरमैन भी रहे। विमानन क्षेत्र में उनका जीवनभर आकर्षण रहा। 25 मार्च 1991 को जेआरडी टाटा ने रतन टाटा को टाटा संस और टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन बना दिया। यह ऐसा समय था जब देश में आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत हुई। इसके बाद रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने देश- दुनिया में अपनी गतिविधियां तेज कर दीं। इस दौरान विदेशों में कई कंपनियों का अधिग्रहण किया गया। ''मुझे याद है, जब टाटा स्टील ने 2007 में अपने से भी बड़ी एंग्लो डच कंपनी कोरस स्टील का 6.2 अरब पौंड (12 अरब डालर) में अधिग्रहण किया, तब बोली का दौर लगातार बढ़ते जाने के कारण यह सौदा लंबा खिंचा और देर रात में टाटा बोली जीत पाये थे। खुद रतन टाटा इसमें लगे थे। यह किसी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में किया गया सबसे बड़ा सौदा था। एजेंसी में काम करते हुये रातभर हम इस समाचार की प्रतीक्षा करते रहे।''

यही नहीं, देश में 1998 में 'टाटा इंडिका' कार बाजार में उतारी। टाटा की इंडिका को भारत की पहली पूर्ण घरेलू यात्री कार के तौर पर जाना जाता है। 15 जनवरी 1998 को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित आटो एक्सपो में तत्कालीन केन्द्रीय उद्योग मंत्री मुरासोली मारन ने इंडिका कार लांच की। टाटा इंडिका को देश में 'मारूति सुजूकी' के वर्चस्व को चुनौती देने के रूप में देखा गया। मार्च 2009 में टाटा की छोटी कार नैनो को मुंबई में लांच किया गया। यह टाटा की लखटकिया कार के नाम से जानी गई। रतन टाटा के कार्यकाल में टाटा समूह का आकार 4 अरब डालर से बढ़कर 100 अरब डालर के पार पहुंच गया। वर्ष 2023-24 में टाटा कंपनियों का कुल कारोबार 165 अरब डालर पर पहुंच गया, वहीं इन कंपनियों में 10 लाख लोगों को रोजगार मिला है। समूह की सूचीबद्ध 26 कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण इस साल मार्च में 365 डालर के आंकड़े को छू चुका है। 75 वर्ष की आयु होने पर दिसंबर 2012 में उन्होंने साइरस मिस्त्री को टाटा संस का नियंत्रण सौंपा। लेकिन उनके काम करने के तरीके को लेकर कुछ ही समय बाद मतभेद उभर आये और अक्टूबर 2016 में उन्हें हटा दिया गया। इसको लेकर विवाद चला। बाद में कुछ समय रतन टाटा स्वंय अंतरिम अध्यक्ष रहे और उसके बाद जनवरी 2017 में नटराजन चंद्रशेखरन को टाटा संस का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया जो कि अब तक बने हुये हैं।

रतन टाटा के देहांत के बाद उनके सौतेले भाई नोएल नवल टाटा, 67 वर्ष, को टाटा ट्रस्ट और इसके तहत आने वाले सभी ट्रस्टों का चेयरमैन नामित किया गया है। रतन टाटा के पिता नवल एच टाटा ने पहली पत्नी सूनू से तलाक के बाद साइमान दुनोयर से विवाह किया। नोएल टाटा उन्हीं के पुत्र है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं जबकि रतन टाटा ने विवाह नहीं किया। दरअसल, टाटा संस जो कि टाटा समूह की सभी कंपनियों की होल्डिग कंपनी है, उसमें टाटा ट्रस्ट की सबसे अधिक 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा 18.38 प्रतिशत हिस्सेदारी शापूर्जी पालोनजी परिवार की है। नोएल टाटा के टाटा ट्रस्टों का चेयरमैन नामित होने के बाद अब यह माना जा रहा है कि टाटा ट्रस्ट और शापूर्जी पलॉजी समूह के बीच जो तनाव था उसमें कमी आयेगी। दरअसल, नोएल टाटा की पत्नी अलू, स्व. साइरस मिस्त्री की बहन हैं। साइरस मिस्त्री को 2016 में टाटा संस के चेयरमैन पद से हटा दिया गया था। तब से उनके और रतन टाटा के बीच रिश्ते सामान्य नहीं थे। टाटा संस में टाटा ट्रस्ट के बाद शापूर्जी पलोंजी समूह की सबसे अधिक 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नोएल टाटा, वर्तमान में टाटा संस के निदेशक मंडल के सदस्य नहीं हैं। हालांकि, भविष्य में यदि वह टाटा संस के निदेशक मंडल में शामिल कर भी लिये जाते हैं तब भी इस होल्डिग कंपनी में चेयरमैन का पद बाहरी व्यक्ति के पास ही रहेगा। होल्डिग कंपनी का कामकाज बेहतर ढंग से चलाने के लिये वर्ष 2022 में ऐसा विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव के मुताबिक टाटा संस और टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन एक ही व्यक्ति नहीं रह सकता है। वर्तमान में 2017 से एन. चंद्रशेखरन टाटा संस के चेयरमैन हैं, वह टाटा ट्रस्ट में ट्रस्टी नहीं हैं। अब देखना है कि नोएल टाटा भविष्य में क्या कदम उठाते हैं, इस व्यवस्था में बदलाव लाते हैं अथवा रतन टाटा की विरासत को ही आगे बढ़ाते हैं। हालांकि, नोएल टाटा ने उन्हें नामित किये जाने के बाद जारी वक्तव्य में कहा, ''साथी ट्रस्टियों द्वारा मुझ पर जो जिम्मेदारी डाली गई है उससे में बहुत सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूं। मैं टाटा समूह के संस्थापकों और रतन एन टाटा की विरासत को आगे बढ़ाने को उत्सुक हूं।''

संक्षिप्त समाचार

पिंकसिटी प्रेस क्लब का 33वां स्थापना दिवस समारोह 21 से 23

- 21 को लाईट डेकोरेशन स्वीच ऑन एवं फोटो प्रदर्शनी से होगा भव्य शुभारम्भ

चमकता राजस्थान। जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब का 33वां स्थापना दिवस समारोह 21 से 23 अक्टूबर 2024 तक मनाया जाएगा। क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि स्थापना दिवस का शुभारम्भ 21 अक्टूबर को लाईट डेकोरेशन स्वीच ऑन व फोटो प्रदर्शनी के साथ ही गजल गीतों का आयोजन किया जाएगा। 22 अक्टूबर 2024 को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा एवं 23 अक्टूबर को मुख्य समारोह का आयोजन किया जाएगा।

क्लब महासचिव योगेन्द्र पंचौली ने बताया कि 23 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10.30 बजे से आयोजित मुख्य समारोह में वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, बेस्ट प्रिण्ट एण्ड इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रिपोर्टर, फोटोजर्नलिस्ट, वीडियोजर्नलिस्ट, फोटोप्रदर्शनी अवार्ड एवं विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा।

विप्र सेना महिला प्रकोष्ठ के द्वारा विप्र सेना राष्ट्रीय प्रमुख सुनील तिवाड़ी के जन्मदिवस पर किया गया चारा वितरित

चमकता राजस्थान। जयपुर। विप्र सेना राष्ट्रीय प्रमुख सुनील तिवाडी के जन्मदिन पर विप्र सेना महिला प्रकोष्ठ के द्वारा पिंजरापोल गौशाला जयपुर में गायों को चारा वितरण किया गया तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना की , इस अवसर पर विप्र सेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रियंका शर्मा ,प्रदेश अध्यक्ष पूनम आचार्य,प्रदेश सलाहकार पुष्प वशिष्ठ, गरिमा शर्मा और महिला प्रकोष्ठ की अन्य सदस्या उपस्थित रही है इसके बाद विप्र सेना की महिलाओं ने तिवाड़ी के निवास स्थान पर जा कर मिठाई और बुके देकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी तथा सुनील तिवाडी के नेतृत्व की सराहना की,इस कार्यक्रम ने गोसेवा और समाज के प्रति समर्पण की भावना प्रबल किया।

एसडीएम ने व्यापारियों की बैठक में कानून व्यवस्था में सहयोग के दिए निर्देश

- एसडीएम कार्यालय में व्यापारियों की बैठक,त्यौहार पर शांति व्यवस्था को लेकर चर्चा

चमकता राजस्थान। नदबई, (राजवीर सिंह)। एसडीएम कार्यालय में एसडीएम गंगाधर मीणा ने आगामी त्यौहारी सीजन को देखते हुए व्यापारियों की बैठक ली। जिसमें एसडीएम ने कानून व्यवस्था की पालना व शांति व्यवस्था में पुलिस व प्रशासन का सहयोग करने को कहा। इससे पहले एसडीएम ने त्यौहार पर भीड़ होने के चलते मुख्य बाजार में जाम की समस्या से निजात के लिए अवैध तरीके से हो रही पार्किंग को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने व व्यापारियों को जाम की समस्या से बचने के लिए सहयोग करने को कहा। बाद में व्यापारिक संगठन पदाधिकारियों ने त्यौहार पर भीड़ को देखते हुए जाम की समस्या व कानून की पालना में पुलिस व प्रशासन का हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। बैठक में तहसीलदार कैलाश गौतम,नायब तहसीलदार दीपा यादव,नगर पालिकाध्यक्ष हरवती सिनसिनवार,व्यापार मण्डल अध्यक्ष महेश साबौरा,शिवदयाल गोयल,कुलदीप सहगल,सर्राफा संघ से अजय सोनी,दिलीप सिनसिनवार,सहित संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

मोदी सरकार की कृषि सुधार योजनाओं से उत्पादन और किसानों की आय में हो रही है बढ़ोतरी:भागीरथ चौधरी

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक/श्रीनगर / अजमेर। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने ₹राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2024₹ के शुभारम्भ कार्यक्रम को किया सम्बोधित, कहा- खेती किसानी देश की आत्मनिर्भरता और समृद्धि का आधार केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने शनिवार को पूसा परिसर नई दिल्ली में आयोजित ₹राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2024₹ के शुभारम्भ कार्यक्रम को सम्बोधित किया। सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, सहित विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रीगण एवं कृषि विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कृषि सुधार के लिए केंद्र सरकार ने उठाए क्रांतिकारी कदम : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि हमारे देश की कृषि क्षेत्र की प्रगति में किसानों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है और यह हमारे राष्ट्र की आत्मनिर्भरता और समृद्धि का आधार है। हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करने और उन्हें तकनीकी, वैज्ञानिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि सुधार की दिशा में कई ठोस कदम उठाए गए हैं, इससे उत्पादन और किसानों की आय में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। रबी की फसलें भारतीय कृषि के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह हमारे खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को सुदृढ़ करती हैं।

रबी फसलों में एमएसपी वृद्धि का निर्णय ऐतिहासिक : केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि भारतीय किसान सशक्त और आत्मनिर्भर हो। रबी सीजन के इस अवसर पर हमें अपने किसानों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पूरी मेहनत और लगन से काम करना होगा तथा सरकार की कृषि हितैषी योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने किसान हित में अपना एजेंडा सुनिश्चित करते हुए हाल ही में 6 रबी फसलों की एमएसपी में वृद्धि का ऐतिहासिक निर्णय लिया जोकि निश्चित रूप से कृषि एवं किसान की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

राउमा विद्यालय वैर में एक देश एक चुनाव को लेकर वाद विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह)। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वैर में 'एक देश, एक चुनाव ' विषय पर विद्यार्थियों के मध्य वाद - विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया । जिसमें कक्षा 6 से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया । विद्यार्थियों ने एक देश एक चुनाव विषय पर इसके पक्ष एवं विपक्ष में अपने-अपने तर्क रखे जिसमें खुशी धाकड़, लक्ष्य, मोनिका सेन ,सौरभ शर्मा ,मयंक शर्मा शौर्य जैमन आदि ने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने को लेकर कहा कि इससे धन ,समय एवं संसाधनों का अपव्यय बचेगा और आचार संहिता के कारण होने वाले विकास की गति अवरुद्ध को कम किया जा सकता है । इससे भ्रष्टाचार और काले धन पर भी कमी आएगी और देश की एकता और अखंडता में वृद्धि होगी और उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि भारत के लिए यह नया नहीं है पहले चार आम चुनाव व विधानसभा चुनाव साथ हुए हैं इसलिए मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए लोगों की अधिक सहभागिता के लिए एक देश एक चुनाव कराया जाना चाहिए । वही पूजा गुर्जर , नम्रता, सुशील, पलक महावर आदि ने एक देश एक चुनाव के विपक्ष में तर्क रखते हुए कहा कि इससे क्षेत्रीय दलों को नुकसान पहुंचेगा, चुनाव में केवल राष्ट्रीय मुद्दे हावी रहेंगे जबकि पंचायत राज तथा विधानसभा में स्थानीय मुद्दों तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर वोट किया जाता है जो इसके साथ गौण हो जाएंगे । सभी विद्यार्थियों ने इस कंपटीशन में पूर्ण मनोयोग से भाग लिया तथा विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष में बात करने वाले प्रतिभागियों से प्रश्न किया कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य पुष्पेंद्र सिंह के द्वारा किया गया तथा इस मौके पर उप प्राचार्य सुभाष चंद्र शर्मा वैदिक कुमार गोयल तथा घनश्याम जी को जज पैनल नियुक्त किया गया ।कार्यक्रम में खुशी धाकड़ द्वारा प्रथम स्थान तथा पूजा गुर्जर एवं लक्ष्य संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया । कक्षा 6 से 8 वर्ग में सौरभ शर्मा ने प्रथम स्थान तथा मयंक शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

नेटथिएट पर इम्प्रोम्टू एक्सपेरिमेंटल थियेटर में बनी 'दूध जलेबी'

- 'जब जीवन जलेबी बन जाए तो दूध के साथ गटक जाना चाहिए'

चमकता राजस्थान। जयपुर। जयपुर ' नेट थिएटर कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज नाद सोसाइटी और जयपुर रंगमंडल की ओर से इम्प्रोम्टू एक्सपेरिमेंटल थियेटर के अंतर्गत नाटक 'दूध जलेबी' का मंचन किया गया। इस अनूठी प्रस्तुति में बिना किसी स्क्रिप्ट या पूर्व तैयारी के कलाकारों ने नाटक को स्टेज पर गढ़ा और दर्शकों के सामने एक ज्वलंत और प्रभावी कहानी प्रस्तुत की।

कलाकारों की उभरती कला:

» नाटक के प्रमुख पात्रों में मनोज स्वामी, रेनू सनाढ्य, धृति शर्मा, वीरेंद्र राठौड़, राजेंद्र शर्मा राजू और जीवितेश शर्मा ने अपने असाधारण अभिनय से नाटक को जीवंत किया।

बैकस्टेज सहयोग:

» मिहिजा शर्मा, डॉ. मुकेश सैनी, और अंकित शर्मा नोनू,सागर गढ़वाल ने बैकस्टेज से नाटक को सफलतापूर्वक प्रस्तुत करने में योगदान दिया। नाद सोसाइटी एवं नेट थिएट के अनिल मारवाड़ी ने बताया कि इस नाट्य संध्या का आयोजन संस्था द्वारा कलाकारों को इम्प्रोवाइजेशनल थिएटर की शिक्षा देने के उद्देश्य से किया गया था। नाटक के दौरान, कलाकारों ने बिना किसी पूर्व रिहर्सल या कथानक के स्टेज पर अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया। इस इम्प्रोम्टू प्रस्तुति में कलाकारों ने दांपत्य जीवन के संघर्षों को इम्प्रोवाइजेशन के माध्यम से दिखाया। नाटक में पति–पत्नी के रिश्ते में शक और सहनशीलता की कमी के कारण तलाक तक की नौबत आ जाती है, जो दर्शकों को गंभीर चिंतन की ओर प्रेरित करती है।

क्या है इम्प्रोवाइजेशनल थिएटर?

» इम्प्रोवाइजेशनल थिएटर, जिसे इम्प्रोव थिएटर भी कहा जाता है, रंगमंच का एक ऐसा रूप है जिसमें अधिकांश या सभी क्रिया अनियोजित या बिना स्क्रिप्ट के होती है। इसका इतिहास 391 ईसा पूर्व के एटेलन फ़ार्स से जुड़ा है। 16वीं से 18वीं शताब्दी के दौरान कॉमेडिया डेल'आर्ट के कलाकारों ने इटली की सड़कों पर इस शैली का प्रदर्शन किया था। इस थिएटर में संवाद, कहानी और किरदार कलाकारों द्वारा मंच पर ही गढ़े जाते हैं।

जियो राजस्थान में डाउनलोड स्पीड, नेटवर्क उपलब्धता और 5जी कवरेज में सबसे आगे

ओपन सिग्नल रिपोर्ट के अनुसार जियो का दबदबा बरकरार

- 102.1 एमबीपीएस के साथ सबसे तेज डाउनलोड स्पीड वाला नेटवर्क बना जियो

चमकता राजस्थान

जयपुर। रिलायंस जियो ने राजस्थान में 5जी उपलब्धता, ओवरआल डाउनलोड स्पीड, और नेटवर्क उपलब्धता जैसे क्षेत्रों में अपने प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ते हुए पकड़ मजबूत की है। ओपन सिग्नल की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जियो की 5जी उपलब्धता 68.1 फीसदी है, जिससे यह राज्य का सबसे भरोसेमंद 5जी नेटवर्क बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जियो की ओवरआल डाउनलोड स्पीड भी सबसे तेज़ है, जो 102.1 एमबीपीएस तक पहुंच रही है। इसके साथ ही, जियो का नेटवर्क 99.3 फीसदी अपटाइम के साथ 4जी और 5जी दोनों में बेहतरीन सेवा प्रदान कर रहा है, जिससे यह नेटवर्क सबसे विश्वसनीय बन गया है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी जियो का प्रदर्शन मजबूत है, जहां ग्राहक अपने समय का लगभग दो-तिहाई हिस्सा 5जी नेटवर्क से जुड़े रहते हैं। राजस्थान में जियो ने तीन प्रमुख श्रेणियों - 5जी उपलब्धता, समग्र नेटवर्क उपलब्धता और ओवरआल डाउनलोड स्पीड - में पहला स्थान प्राप्त किया है।

भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान का पत्रकार स्नेह मिलन एवं बुजुर्ग पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर नगर परिषद ऑडिटोरियम में विशाल पत्रकार मिलन एवं बुजुर्ग पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां जिले के 60 वर्ष से अधिक उम्र के पत्रकारों को शाल माला एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरिओम दास महाराज भुमिया सरकार महगाँव भिड़, जिला कलेक्टर श्री निधि बीटी, पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, विशिष्ट पद्धति नगर परिषद सभापति खुशबू सिंह, नीरजा शर्मा, डॉ. शिवचरण कुशवाहा, पूर्व प्रधान मोनू जादोंन, विवेक बोहरा, भाजपा अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, निशांत चौधरी एवं पीसी बोहरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीजेएसएस पत्रकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल भारती ने की। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने बीजेएसएस पत्रकार संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए वर्तमान परिपेक्ष में पत्रकारों की समस्याओं को लेकर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में बीजेएसएस संगठन के पदाधिकारी ने मंचासीन अतिथियां का स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्कूली बच्चियों द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया गया।भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान के प्रदेश महासचिव गोपेश राज पचौरी ने संगठन की रूपरेखा एवं विचारधारा से अवगत कराया।पत्रकार सम्मेलन में जयपुर, करौली, हिंडौन, भरतपुर एवं धौलपुर आदि स्थानों से अनेक पत्रकार सम्मिलित हुए।अंत में बीजेएसएस धौलपुर जिला अध्यक्ष अनुराग मुद्गल ने उपस्थित अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार दुर्गा शरण दुबे ने किया।कार्यक्रम के समापन पर समस्त अतिथियों एवं पत्रकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।सुरुचि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संक्षिप्त खबरें

फारबिसगंज विधायक ने मुख्यमंत्री से की पशु वधशाला बंद कराने की मांग

फारबिसगंज। फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केसरी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र के हलहलिया पंचायत में चल रहे मांस फैक्ट्री जल्द से जल्द बंद कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गये अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि विधानसभा क्षेत्र के हलहलिया पंचायत के सुकसेना गांव के बिचो-बीच तीन पशु वधशाला वर्ष 2014 से संचालित है. मैं वर्ष 2015-16 से लगातार विधानसभा में उठा रहा हूँ और मैंने मुख्यमंत्री को इस क्षेत्र की लगभग 3000 लोगों के हस्ताक्षर युक्त प्रार्थना पत्र देने के बावजूद आज तक पशुवध शाला बंद नहीं हो सका. इस कारण पशु वधशाला से निकलने वाले दुर्गंध से स्थानीय लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। इस दौरान संवैधानिक प्रक्रिया के तहत एक बार प्रदूषण बोर्ड से जांच भी करायी गयी. इसका भी नतीजा सिफर निकला. पशु वधशाला से निकलने वाले दुर्गंध की वजह से आसपास के 10 पंचायत के लोग प्रभावित हो रहे हैं. इस तरह का पशु वधशाला निर्जन स्थानों पर खोला जाना चाहिए. जबकि तीन वधशाला रिहायशी इलाके में चल रही है जो की मानक के विपरीत है मैं एक बार फिर मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूँ की इस पशु वधशाला को अविलंब बंद करवाए।

फंदे से लटकता मिला नर्स का शव

कोलकाता। सिलीगुड़ी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 25 के मिलनपल्ली में किराए के कमरे में रहने वाली नर्सिंगहोम के नर्स का शुक्रवार रात फंदे से लटकता शव बरामद किया गया है। घटना सामने आते ही इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक का नाम अर्चना थापा बताया गया है। वह दार्जिलिंग की रहने वाली थी। मृतक के परिवार ने हत्या की आशंका जताई है।
मिली जानकारी के अनुसार, दार्जिलिंग की रहने वाली अर्चना थापा सिलीगुड़ी में एक नर्सिंगहोम में नर्स का काम करती थी। इस वजह से वे सिलीगुड़ी के मिलनपल्ली में एक किराए के कमरे ले रखी थी। बीती रात मकान मालिक ने अर्चना का शव बाथरूम में फंदे से लटकता पाया। इसकी सूचना सिलीगुड़ी थाने की पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। इधर, पुलिस की सूचना पाकर मृतक के माता-पिता और परिजन शनिवार को सिलीगुड़ी पहुंचे। पीड़ित परिवार का कहना है कि बेटी के शरीर पर कई चोट के निशान पाए गए है। जिससे यह साफ है कि उसकी हत्या की गई है। परिवार ने पुलिस से न्याय की मांग की है।

महिलाओं के साथ दुराचार के खिलाफ कांग्रेस का थाना घेराव

कोलकाता। प्रदेश में लगातार महिलाओं पर अत्याचार, बलात्कार और हत्या जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके बावजूद इसके प्रदेश का पुलिस प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने शनिवार प्रदेशव्यापी थाना घेराव कार्यक्रम किया है। इसी क्रम में शनिवार को दार्जिलिंग जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सिलीगुड़ी थाने में विरोध प्रदर्शन किया गया। जिलाध्यक्ष शंकर मालाकार के नेतृत्व में थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस के दार्जिलिंग जिलाध्यक्ष शंकर मालाकार ने कहा कि राज्य की महिलाएं असुरक्षित हैं। पुलिस को ऐसे असामाजिक कृत्यों के खिलाफ कोई कड़ा रुख अपनाना चाहिए।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

कोलकाता। जिले के गाजोल में ट्रेन की चपेट में आने से शनिवार को एक युवक की मौत हो गयी है। मृतक का नाम रंजन विश्वास (23) है। सूत्रों के मुताबिक, आकंदा गांव का निवासी रंजन रोज की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकला था। उस वक्त वे अपने कानों में हेडफोन लगा रखा था। तभी सियालदह से बालुरघाट जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। यह हादसा संभवतः हेडफोन के कारण ट्रेन की आवाज नहीं सुनने से हुई है। इधर, घटना के बाद इसकी सूचना रेल पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी होते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए बालुरघाट जिला अस्पताल ले गई। घटना से पूरे इलाके में मातम छाया हुआ है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

उत्पाद विभाग ने भारी मात्रा में अवैध शराब किया नष्ट

कोलकाता। मिलावटी शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग ने फांसीदेवा घोषपुकुर के कमला चाय बागान के विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया। इस दिन नक्सलबाड़ी उत्पाद विभाग ने घोषपुकुर आउटपोस्ट पुलिस की मदद से कमला चाय बागान के गिरिजा लाइन, शायला लाइन, बाकुल लाइन, गांधी मोड़ और घुघुझोरा इलाके में अभियान चलाया। इस दौरान भारी मात्रा में मिलावटी शराब बरामद कर उत्पाद विभाग ने नष्ट कर दिया। वहीं, शराब बनाने वाले उपकरण तोड़ दिया। हालांकि इस घटना में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। नक्सलबाड़ी उत्पाद विभाग के तरफ से बताया गया कि आने वाले दिनों में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

साल 2005 से पहले बिहार में विकास की क्या स्थिति थी सभी को पता: मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री ने सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में विकास कार्यों की क्या स्थिति थी सभी को पता है। वर्ष 2005 से पहले मछली उत्पादन बहुत कम था। दूसरे राज्यों से यहां मछलियां मंगाई जाती थी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर, 2005 को जब हमलोग सरकार में आए तो राज्य के विकास के लिए नीति और कार्यक्रम बनाए गए। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित सभी क्षेत्रों का विकास किया गया। लोगों की सुविधाओं के लिए कई कदम उठाए गए। साथ ही महिलाओं की तरक्की के लिए कई कार्य किए गए।
मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2008 से वर्ष 2012 के लिए प्रथम कृषि रोड मैप बनाया गया। वर्ष 2012 से वर्ष 2017 के लिए दूसरा कृषि रोड मैप बनाया गया जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति श्रद्धेय प्रणव मुखर्जी ने किया था। वर्ष 2017 से वर्ष 2023 के लिए तीसरा कृषि रोड मैप बनाया गया जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी ने किया था। वर्ष 2024 से चौथा कृषि रोड मैप लागू किया गया है जिसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने किया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि रोड मैप के लागू होने से सब्जी, दूध, अंडा, मीट, फल सहित अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। चौथे कृषि रोड मैप के लिए एक लाख 62 हजार करोड़ रुपये की राशि की स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में मछली का उत्पादन 2 लाख 88 हजार मीट्रिक टन था जो अब बढ़कर 8 लाख 73 हजार मीट्रिक टन हो गया है। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। पहले दूसरे राज्य की मछलियां बिहार में मंगाई जाती थीं और अब बिहार की मछलियां दूसरे राज्यों में भेजी जाती हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार के विकास के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। केंद्र सरकार द्वारा राज्य में मत्स्य पालन के विकास के लिए सहायता दी गई है। राज्य सरकार मत्स्य पालन के विकास के लिए भी कई कदम उठा रही है। राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा मत्स्य पालन के क्षेत्र में विकास के लिए उठाए गए कदमों से मत्स्य पालकों को काफी लाभ हो रहा है। मत्स्य पालन के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों का मैं आभार व्यक्त करता हूं कि वे अपने कार्य से अपनी तरक्की के साथ-साथ राज्य की तरक्की में भी योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम को केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने भी संबोधित किया।

भतौरिया-कंझिया के पास ओवर ब्रिज या अंडरपास का हो निर्माण : चक्रपाणि

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज बाईपास के भतौरिया - कंझिया नाथनगर के ओवर ब्रिज अंडरपास की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को में समर्थन देने शनिवार को बिहार राज बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु धरना स्थल पर पहुंचे।
धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि नाथनगर प्रखंड के भतौरिया-कंझिया हुलास स्थान पर फोर लाइन पर ओवर ब्रिज या अंडरपास का निर्माण नितांत जरूरी है। इस रास्ते से हर रोज हजारों लोग छोटे बड़े वाहनों से आवागमन करते हैं।

जूनियर डॉक्टर पुलस्त्य को अस्पताल से मिली छुट्टी, कहा : जरूरत पड़ी तो फिर अनशन पर बैठूंगा

एजेंसी

कोलकाता। नीलरतन सरकार अस्पताल से जूनियर डॉक्टर पुलस्त्य आचार्य को शनिवार दोपहर छुट्टी मिली। अस्पताल से बाहर आते ही उन्होंने घोषणा की कि वे जल्द ही फिर से आंदोलन में शामिल होंगे। हालांकि इस समय वे अनशन पर नहीं बैठेंगे, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में वे फिर से अनशन पर बैठ सकते हैं। अनशन के दौरान अस्पताल में भर्ती हुए अन्य जूनियर डॉक्टरों में से एक, अनुस्तुप मुखर्जी की भी स्थिति में सुधार है और उन्हें भी जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। वहीं, तनया पांजा की हालत में कुछ जटिलताओं के कारण उन्हें कुछ और दिनों तक अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में रखा जाएगा। जूनियर डॉक्टरों का यह आंदोलन आर.जी. कर अस्पताल की एक महिला डॉक्टर के साथ हुए दुर्व्यवहार, अस्पताल की सुरक्षा और ढांचागत सुविधाओं से जुड़ी 10 मांगों को लेकर किया जा रहा है। कोलकाता के धर्मतला और उत्तर बंगाल के सिलिगुड़ी में यह अनशन जारी है, जिसमें कई डॉक्टरों की तबीयत बिगड़ चुकी है। कुछ को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, जबकि कुछ अभी भी भर्ती हैं। अस्पताल में भर्ती जूनियर डॉक्टरों में अनुस्तुप मुखर्जी और तनया पांजा शामिल हैं। अनुस्तुप की हालत में काफी सुधार हुआ है और शनिवार शाम को उन्हें छुट्टी देने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, तनया पांजा को अभी कुछ दिन और अस्पताल में रहना होगा। आईसीयू में भर्ती तनया की स्थिति में सुधार के बाद उन्हें अब एचडीयू में शिफ्ट किया गया है। उन्हें पेट दर्द, मतली, कमजोरी और कब्ज जैसी समस्याएं हैं, साथ ही शरीर में फॉस्फेट की कमी और यूरिक एसिड की बढ़ी हुई मात्रा पाई गई है।
उत्तर बंगाल में अनशनरत डॉक्टरों में से दो जूनियर डॉक्टर, आलोक वर्मा और सौविक बनर्जी, अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं। आलोक को कुछ दिन पहले और सौविक को शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी मिली। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, दोनों डॉक्टरों की तबीयत में सुधार होने पर उन्हें आईसीयू से सामान्य वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने जूनियर डॉक्टरों से किया अनशन समाप्त करने का अनुरोध

एजेंसी

कोलकाता। धर्मतला में चल रहे जूनियर डॉक्टरों के अनशन के बीच, राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती शुक्रवार को अनशन स्थल पर पहुंचे। उनके साथ कोलकाता पुलिस की डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखर्जी भी उपस्थित थीं। मुख्य सचिव ने डॉक्टरों के साथ बातचीत की और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का संदेश फोन के माध्यम से अनशनकारी डॉक्टरों को सुनाया। मुख्यमंत्री ने अनशन समाप्त करने का अनुरोध करते हुए कहा, मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि अनशन खत्म करें। बातचीत में शामिल हों। हम अपनी क्षमता अनुसार आपकी अधिकांश मांगों को पूरा कर चुके हैं। कृपया हमें तीन से चार महीने का समय दें। अस्पतालों में चुनाव करवाएंगे। कृपया अनशन वापस लें और काम पर लौटें।
मुख्यमंत्री के साथ फोन पर बातचीत के दौरान, अनशनकारी डॉक्टरों ने उनसे मिलने का आग्रह किया, जिसके जवाब में ममता बनर्जी ने सोमवार शाम पांच बजे नवान्न में बैठक का समय निर्धारित किया। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों को आश्वासन दिया कि वह न्याय की पक्षधर हैं और उनकी मांगों को समझती हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि अस्पतालों में मरीजों को सेवाएं नहीं मिलेंगी, तो वे कहां जाएंगे? मुख्यमंत्री ने कहा, मामला अदालत में है, वहां से आपको न्याय मिलेगा। मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को जूनियर डॉक्टरों ने वरिष्ठ डॉक्टरों के साथ एक बैठक की थी, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार को सोमवार तक का समय दिया है। अगर सरकार इस अवधि के भीतर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं देती है, तो मंगलवार से राज्यभर के अस्पतालों में जूनियर और वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा व्यापक हड़ताल की जाएगी। मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही यह चेतावनी दी गई थी, और 24 घंटे के भीतर राज्य प्रशासन के शीर्ष अधिकारी अनशन स्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने डॉक्टरों के स्वास्थ्य और उनकी मांगों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने फोन पर भी कुछ लोगों से बात की, जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी थीं। इससे पहले भी आंदोलनकारियों की एक बैठक मुख्य सचिव के साथ हो चुकी है, जो दुर्गा पूजा से पहले हुई थी। हालांकि, उस बैठक को आंदोलनकारियों ने असफल बताया था।

प्रेमी की हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार, सीसीटीवी फुटेज ने खोला राज

एजेंसी

कोलकाता। हुगली जिले के भद्रेश्वर में एक महिला ने अपने प्रेमी की चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने हत्या के आरोप में महिला को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का पूरा दृश्य सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिससे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, संबंधों में तनाव हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है। मृतक की पहचान 46 वर्षीय तापस प्रामाणिक के रूप में हुई है, जबकि आरोपित महिला का नाम शबनम खातून बताया जा रहा है।
पुलिस के अनुसार, शबनम खातून पहले रिषड़ा में अपने पति के साथ रहती थी, लेकिन अब वह भद्रेश्वर के खूंड़ीगाछी इलाके में किराए के मकान में रह रही थी। वहीं उसकी मुलाकात तापस प्रामाणिक से हुई और उनके बीच एक रिश्ता विकसित हो गया। घर आने-जाने का सिलसिला भी चलता रहा। हालांकि, उनके बीच रिश्ते में धीरे-धीरे तनाव आने लगा था जिसके चलते यह हत्या हुई।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ पूरा मामला

इस घटना का एक वीडियो सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ है, हालांकि इसकी सत्यता की पुष्टि नहीं की गई है। वीडियो में देखा गया कि एक पुरुष और दो महिलाएं सड़क पर चल रहे थे। उनके बीच बहस होने लगी और अचानक शबनम ने अपने पुरुष साथी पर हमला कर दिया। इस दौरान एक साइकिल सवार भी वहां से गुजर रहा था, जो यह दृश्य देख कर रुक गया। इसके बाद दोनों महिलाएं वहां से चली गईं।
हमले के बाद, घायल तापस वहीं सड़क पर गिर गया। पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही एंगस थाने की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक तापस की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को चंदननगर अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमार्टम के लिए उसे चूंचूड़ा इमामबाड़ा जिला अस्पताल भेजा जाएगा। चंदननगर पुलिस के कमिश्नर अमित पी जावालगी ने कहा, इस घटना का कारण आपसी विवाद है। आरोपित महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना के समय एक और महिला वहां मौजूद थी, उससे भी पूछताछ की जा रही है।
घटना को लेकर चांपदानी नगरपालिका के चेयरमैन सुरेश मिश्रा ने बताया,मृतक तापस की पत्नी उसे छोड़कर जा चुकी थी और वह शबनम के साथ रिश्ते में था। हमें पता चला है कि शुक्रवार शाम से उनके बीच झगड़ा चल रहा था, जिसके बाद यह घटना हुई। पुलिस ने आरोपित महिला को पकड़ लिया है और कानून के मुताबिक कार्रवाई की जा रही है।

बिजली से संबंधित शिविर में समस्याओं का हुआ निपटारा

एजेंसी

नवादा। बिजली से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु शनिवार को बिजली विभाग ने नवादा जिले के मेसकौर प्रखंड मुख्यालय में विशेष शिविर का आयोजन किया है। इस शिविर में उपभोक्ता अपनी बिलिंग, डिवाइस, स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज या अन्य किसी भी प्रकार की बिजली से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन दिया। बिजली बिल में त्रुटि हो या लोड शेडिंग की समस्या हो या फिर ट्रांसफॉर्मर संबंधित, इन सभी का त्वरित समाधान किया गया। इसके अलावा यदि किसी उपभोक्ता को स्मार्ट मीटर रिचार्ज में दिक्कत आ रही है या स्मार्ट मीटर संबंधित जकनकारी दी गई। विभाग की टीम मौके पर ही उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण की। जिन मामलों में स्थल निरीक्षण या मीटर बदलने की आवश्यकता होगी, उन्हें एक सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। ऊर्जा विभाग के मेसकौर प्रखंड के कनीय अभियंता दीपक कुमार ने कहा कि हम अपने उपभोक्ताओं को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस शिविर का उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। उपभोक्ताओं की भागीदारी से ही हम एक विश्वसनीय और पारदर्शी विद्युत व्यवस्था की ओर बढ़ सकेंगे। उपभोक्ताओं से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने ब्लॉक में लगे शिविर में आकर विद्युत संबंधित समस्याओं का समाधान कराए।

जमीन विवाद में दो सगे भाइयों की निर्मम हत्या

पूर्णिया। सरसी थाना क्षेत्र के कचहरी बलवा में मामूली जमीनी विवाद ने भयानक रूप ले लिया। दो डिसमिल जमीन को लेकर चल रहे विवाद में दो सगे भाइयों की क्रूरता से हत्या कर दी गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार आरोपी मुसहरु राम ने 15-20 लोगों के साथ मिलकर पहले राजेंद्र राम को अगवा किया। जब उन्हें बचाने उनके भाई उपेंद्र राम पहुंचे, तो आरोपियों ने दोनों भाइयों को शराब पिलाकर और आंखों में मिर्च डालकर धारदार हथियारों से वार कर मौत के घाट उतार दिया। बचाव का प्रयास करने आईं सुमन देवी, उनके पति सिंटू राम और विशाखा देवी को भी हमलावरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। तीनों घायलों को जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। सरसी थाना प्रभारी मनीष चंद्र यादव ने बताया कि मामले में 14 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कार्यक्रम केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह हिंदू स्वाभिमान यात्रा के पहले चरण में कटिहार पहुंचे

संगठित हिन्दू सुरक्षित हिन्दू , बटोगे तो कटोगे: गिरिराज सिंह

एजेंसी

कटिहार। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा के पहले चरण में कटिहार पहुंचे। गिरिराज सिंह यज्ञशाला में पूजा अर्चना करने के बाद हिन्दु स्वाभिमान यात्रा को लेकर गिरीराज सिंह ने राजेन्द्र स्टेडियम में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। स्वामी दीपंकर जी महाराज ने भी इस अवसर पर भाग लिया और हिंदू समाज को संगठित करने के लिए अपना समर्थन दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम हिन्दू संगठन के साथ आये हैं, हिंदुओं को संगठित करने। संगठित हिन्दू सुरक्षित हिन्दू। यही मैं कहने आया हूं। लव जिहाद बेटी का हो रहा है और बेटे का भी हो रहा है। हमारा मैसेज है संगठित हिन्दू सुरक्षित हिन्दू। बटोगे तो कटोगे, अब नही तो कभी नहीं। हिंदू स्वाभिमान पर विपक्षी दलों द्वारा सवाल उठाए जाने की बात पर गिरिराज सिंह ने कहा कि जब ओवैसी यहां मुसलमानों को एक करने के लिए आते हैं तब तो कोई लाश नही बिछती है। तेजस्वी यादव आतें है मुसलमानों को अपने तरफ करने के लिए तब तो लाश नही बिछती, हिन्दू के कारण लाश क्यों बिछे? इसलिए क्योंकि हिन्दू बटा हुआ है! वे आधा मुसलमान का वोट लेंगे आधा हिन्दू का लेंगे। ये वोट के सौदागरों ने देश का जितना नुकसान मुगलों ने नही किया उससे ज्यादा ये वोट के सौदागर कर रहे हैं।
गिरिराज सिंह ने कहा कि ये तो आप सभी जानते हैं कि सीमांचल में हमारी संख्या कम हो रही है। जहां जहां हमारी संख्या कम हुई है, वहां वहां हम नही बचे। चाहे कश्मीर हो या कोई और जगह। उन्होंने कहा कि सीमांचल में मुस्लिम बहुसंख्यक नही है बल्कि बंगला देश से यहां अवैध घुसपैठ कर आये मुस्लिम बहुसंख्यक है। वे यहां के मुस्लिम एवं हिन्दू का हक छीन रहे हैं। कहा कि 1966 से 71 के बीच बंगला देश से आये घुसपैठिए मान्य होंगे। सीमांचल के कटिहार, पूर्णियां, अररिया और किशनगंज जिले में 1971 के बाद घुसपैठ कर आये बांग्लादेशी मुसलमान अवैध है।
गिरिराज सिंह ने कहा कि लव जिहाद पहले केरल से शुरू हुआ। इसके विरुद्ध वहां के क्रिशचन और हिन्दू ने आवाज उठाया। अब तो देश के हर जगह लव जिहाद, लैंड जिहाद हो रहा है। साथ ही इसमें थूक और यूरिन जिहाद शामिल हो गया है। जिहाद मानसिकता वाले भारत में सरिया कानून व्यवस्था लाने की हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं। इस लिए हम बटे हुए हिन्दू को जोड़ने के लिए हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर निकले हुए हैं। जनसभा के बाद हिंदू स्वाभिमान यात्रा का रथ राजेन्द्र स्टेडियम से शाहिद चौक, डॉ. राजेन्द्र पथ, रामकृष्ण मिशन रोड, महात्मा गांधी रोड, जीआरपी चौक, अमर जवान चौक, मिरचाईबाड़ी, अम्बेदकर चौक, भेडिया रहिका, दलन, सिरसा होते हुए रौतारा टोल प्लाजा में समाप्त होकर शनिवार देर शाम पूर्णियाँ जिला में प्रवेश करेगा।
इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के अलावा मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय ध्यान गुरु स्वामी दीपंकर जी महाराज, ममता सहगल, जनसंख्या फाउंडेशन के अनिल चौधरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, एमएलसी अशोक अग्रवाल, विधायक निशा सिंह, कविता पासवान, छाया तिवारी आदि उपस्थित थे।

बागडोगरा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल के शिलान्यास की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सांसद

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बागडोगरा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री वर्चुअली कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सिलीगुड़ी संलग्न कावाखाली मैदान में आयोजित होगा। शनिवार को दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। वह सुबह कावाखाली मैदान पहुंचे और बारीकी से कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस दौरान राजू बिष्ट ने कहा कि शहरवासियों को सपना पूरा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री कल बागडोगरा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का वर्चुअली आधारशिला रखेंगे। नए एयरपोर्ट के रेनोवेशन पर करीब 1540 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 70,400 वर्ग मीटर का होगा। इस एयरपोर्ट पर सभी आधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। एयरपोर्ट के बनने से पड़ोसी राज्यों का भी फायदा होगा। वहीं, पर्यटन क्षेत्र में भी तेजी आएगी। कल के कार्यक्रम में कार्यकर्ता और समर्थकों के साथ-साथ उत्तर बंगाल के भाजपा सांसद विधायक, सांसद और नेतागण भी मौजूद रहेंगे।

करवा चौथ

पति की लंबी उम्र और कल्याण के लिए महिलाएं करती हैं

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश,बिहार और राजस्थान में मनाया जाने वाला पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्णा पक्ष की चतुर्थी को देशभर में बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है। करवा चौथ मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। हरियाली तीज, कजरी तीज और हरतालिका तीज, वट सावित्री व्रत की तरह करवा चौथ का उद्देश्य पुरुष और उसकी पत्नी के बीच के बंधन को मजबूत करना है। हालांकि, अविवाहित लड़कियां (18 वर्ष से अधिक) भी मनचाहा पुरुष पाने की आशा के साथ व्रत रखती हैं। पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों की विवाहित और अविवाहित महिलाएं कार्तिक माह की चतुर्थी तिथि (चौथे दिन), कृष्ण पक्ष (चंद्र चक्र के घटते चरण) पर करवा चौथ मनाती हैं। पूर्णिमांत कैलेंडर) और अश्विन (अमावस्यंत कैलेंडर के अनुसार)। महीनों के नाम अलग-अलग होते हैं, लेकिन उत्सव की तारीख वही रहती है। दिलचस्प बात यह है कि करवा चौथ को पारंपरिक रूप से कारक चतुर्थी के रूप में जाना जाता है, और यह उन महिलाओं द्वारा मनाया जाता है जो सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक का व्रत रखती हैं। विवाहित लोग करवा चौथ व्रत का पालन देवी-देवताओं का आशीर्वाद पाने के लिए करते हैं और अपने पति की लंबी उम्र और कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। यह व्रत भगवान गणेश के भक्तों द्वारा मनाए जाने वाले संकष्टी चतुर्थी व्रत से मेल खाता है। दिलचस्प बात यह है कि कारक चतुर्थी पर, महिलाएं मां पार्वती की पूजा करती हैं, जो अखंड सौभाग्यवती (शाश्वत विवाहित) का प्रतीक हैं। भक्त कुछ क्षेत्रों में देवी माता को कारक माता या चौथ माता के रूप में भी मानते हैं। इस परंपरा के महत्व को स्थापित करने के लिए विभिन्न किवदंतियां हैं। ऐसी ही एक कहानी बताती है कि कैसे एक दयालु पत्नी ने अपने मृत पति को फिर से जीवित करने की ठान ली। इसलिए, यह त्योहार एक महिला के अपने पति के साथ साझा किए गए रिश्ते के प्रति अडिग विश्वास और समर्पण पर जोर देता है। इसलिए, महिलाएं व्रत रखती हैं और उनका आशीर्वाद पाने के लिए करक माता की पूजा करती हैं।

ये अक्टूबर का महीना है, हिंदुओं के लिए सभी महत्वपूर्ण त्योहारों की शुरुआत है। इन सभी के बीच करवा चौथ का त्योहार भी है, जो सिर्फ एक दिन दूर है। ये विवाहित महिलाओं के लिए शुभ अवसरों में से एक है क्योंकि वो निर्जला व्रत रखती हैं और चंद्रोदय तक खाली पेट रहती हैं। ये दिन कार्तिक के हिंदू महीने में कृष्ण पक्ष के चौथे दिन मनाया जाता है। ये व्रत उनके पति की लंबी उम्र और उनके सुखी वैवाहिक जीवन के लिए है। ये शुभ दिन संकष्टी चतुर्थी के साथ भी आता है, इस दिन भगवान गणेश की पूजा की जाती है। करवा चौथ व्रत आसान नहीं है क्योंकि ये सख्त नियमों और विनियमों से बंधा है, इसलिए यहां हम आपके कार्य को आसान बनाने के लिए पूजा विधि, व्रत विधि, शुभ मुहूर्त और बहुत कुछ के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ हैं।

करवा चौथ पूजा विधि

» सुहागिन महिलाओं के लिए करवा चौथ का व्रत पति–पत्नी के बीच प्यार, स्नेह और विश्वास का प्रतीक माना गया है। यह पर्व पति की लंबी आयु और दांपत्य जीवन में खुशहाली का महापर्व है। करवा चौथ के दिन चन्द्रमा की पूजा कर महिलाएं चंद्रदेव से यह आशीर्वाद मांगती हैं कि किसी भी कारण से उन्हें अपने प्रियतम का वियोग न सहना पड़े । सुहागिन महिलाएं करवा चौथ पर देवी पार्वती के स्वरूप चौथ माता, भगवान शिव और कार्तिकेय के साथ–साथ श्री गणेशजी की पूजा करती है। करवा चौथ पर शाम को लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं, इस पर भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय, गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर दें। एक लोटे में जल भरकर उसके ऊपर श्रीफल रखकर कलावा बांध दें और दूसरा मिट्टी का करवा लेकर उसमें जल भरकर व ढक्कन में शक्कर भर दें, उसके ऊपर दक्षिणा रखें, रोली से करवे पर स्वास्तिक बनाएं। इसके बाद धूप, दीप, अक्षत व पुष्प चढाकर भगवान का पूजन करें, पूजा के उपरांत भक्तिपूर्वक हाथ में गेहूं के दाने लेकर चौथमाता की कथा पढ़ें या सुने। फिर रात्रि में चंद्रोदय होने पर चंद्रदेव को अर्घ्य देकर बड़ों का आशीर्वाद लेते हुए व्रत को समाप्त करें।

करवा चौथ पूजन सामग्री

» लकड़ी का आसान, देसी घी, पान, सींक, कलश, हल्दी, रोली ,मौली ,मिठाई ,छन्नी ,लोटे में भरने के लिए चावल ,दान की सामग्री ,अक्षत ,चंदन ,फल ,पीली मिट्टी ,फूल ,मिट्टी या तांबे का करवा और ढक्कन और करवा चौथ व्रत कथा किताब।

करवा चौथ पूजा शुभ मुहूर्त 2024

» करवा चौथ पर सुहागिन महिलाएं दिनभर निर्जला व्रत रखते हुए शाम को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए करवा माता, भगवान शिव, माता पार्वती, विघ्नहर्ता मंगलमूर्ति भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा अर्चना करती हैं। इस बार करवा चौथ पर रोहिणी नक्षत्र का अद्भुत संयोग बना हुआ है। करवा चौथ पर 20 अक्तूबर को पूजा के लिए शुभ मुहूर्त शाम 05 बजकर 46 मिनट लेकर शाम को 06 बजकर 54 मिनट तक रहेगा।

करवा चौथ पर चंद्रोदय का समय

» करवा चौथ पर चंद्रमा की विशेष पूजा करने का विधान होता है। चंद्रमा को मन, शीतलता, लंबी आयु, सुख और शांति का कारक माना जाता है और चंद्रदेव की पूजा से वैवाहिक जीवन सुखमय और अच्छा रहता है। वैदिक पंचांग के मुताबिक करवा चौथ पर आसमान में चांद के निकलने का समय शाम 07 बजकर 53 मिनट रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

दुकानदार को धमकी देकर मांगी पांच लाख की चौथ

जींद। नरवाना में किरयाना दुकानदार को व्हाट्सअप कॉल कर पांच लाख रुपये की चौथ मांगने पर शहर थाना नरवाना पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ चौथ मांगने तथा धमकी देने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को कृष्णा गली निवासी अशोक ने शहर थाना नरवाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह किरयाणे की दुकान चलाता है। दस अक्टूबर को उसके फोन पर कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसे पांच लाख रुपये की डिमांड की। राशि न देने पर उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। जिसके बाद उसके फोन पर गत 16 अक्टूबर को फिर से कॉल आई। फिर से उस से चौथ की डिमांड की गई ओर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी गई।

सड़क हादसे में महिला की मौत

जालौन। जनपद में शनिवार को डंपर से बचने के चक्कर में अधेड़ बाइक लेकर गड्ढे में जा गिरा। हादसे में बाइक की सीट पर पीछे बैठी महिला गिरकर घायल हो गयी। उसे इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कानपुर देहात के ग्राम खुर्द नार का रहने वाला सुरेश चन्द्र अपनी पत्नी कांति देवी (51) संग किसी काम से शुक्रवार को उरई आया था। यहां से काम खत्म करने के बाद वह कदौरा निवसी सरहज के घर चला गया। शनिवार की सुबह वापस बाइक से घर लौट रहा था।

जेकेजीएफ के दो आतंकवादी गिरफ्तार

पुंछ । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पुलिस ने जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स (जेकेजीएफ) के दो आतंकवादियों को ग्रेनेड और हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि जेकेजीएफ से जुड़े दो आतंकवादियों को शुक्रवार शाम तीन ग्रेनेड और एक पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया। इन आतंकवादियों की समय पर गिरफ्तारी ने क्षेत्र में संभावित हमलों को विफल कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन क्षेत्र में आतंकवाद से निपटने के लिए सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों को दशार्ता है।

युवक ने कमरे में फांसी लगाकर की खुदकुशी

राजगढ़। नरसिंहगढ़ थाना क्षेत्र में अस्पताल रोड़ पर रहने वाले 28 वर्षीय युवक ने घर की दूसरी मंजिल स्थित कमरे में कुंदे से दुपट्टा का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बीती रात अस्पताल रोड़ नरसिंहगढ़ निवासी घनश्याम (28) पुत्र हुकुमचंद कुशवाह ने घर की दूसरी मंजिल स्थित कमरे में कुंदे से दुपट्टा का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जापान में सत्तारूढ़ एलडीपी के मुख्यालय पर पेट्रोल बम फेंके गए

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय पर शनिवार सुबह पेट्रोल बम फेंकने के आरोप एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जापान टुडे अखबार ने सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के हवाले से यह जानकारी दी। जापान टुडे की खबर के अनुसार, इस व्यक्ति ने अपनी कार से दंगा निरोधी पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। इससे आग लग गई। आग को जल्द ही बुझा लिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इस व्यक्ति ने अपनी कार को प्रधानमंत्री कार्यालय के मैदान में ले जाने की कोशिश की।

स्कूल की प्रार्थना सभा में छात्रा को आया चक्कर

जींद। सफीदों नगर के राजकीय कन्या सीनियर सैकेंडरी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा की शनिवार को प्रार्थना सभा के दौरान चक्कर आने से मौत हो गई। लड़की की हालत को देखकर स्कूल में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रशासन आनन-फानन में छात्रा को सफीदों के नागरिक अस्पताल में लेकर आया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा की मौत का कारण बीपी डाऊन होना बताया जा रहा है। छात्रा की पहचान गांव बहादुरपुर निवासी प्रियंका (17) के रूप में हुई है।

करवा चौथ पर्व पर बाजारों में बढ़ी रौनक

जींद। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस बार करवा चौथ का व्रत रविवार को है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखकर शाम को शिव व पार्वती कार्तिकेय आदि देवताओं का चित्र एवं चांद की पूजा करती हैं। करवा चौथ व्रत को लेकर महिलाओं की इसको लेकर तैयारी जोरों पर हैं। बाजार में भीड़भाड़ होने से दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान दिखाई दे रही है। कपड़ों, कॉस्मेटिक की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। दुकानदार राजेंद्र, अमित, सुनील ने कहा कि हर रेंज के सूटए साडियां दुकान पर है। कास्मेटिक की दुकानों में श्रृंगार से जुड़े सामान मेहंदी, चूड़ी आदि खरीदने के लिए महिलाओं की भीड़ दिखाई पड़ रही है। ब्यूटी पार्लर में अपने आपको निखारने हेतु महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है।

महिलाएं सामाजिक तौर पर सशक्त बनाने में निभाएगी अहम भूमिका : धामी

राज्य स्थापना दिवसः उत्तराखंड में महिला नेतृत्व भर रही ऊंची उड़ान

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड राज्य गठन के 24 साल के सफर में महिलाएं अब हर ऊंचाई को छूती नजर आ रही है। सरकारों की ओर से उठाए गए कई सकारात्मक कदम का परिणाम अब सामने आने लगे हैं। एक बड़ा सकारात्मक बदलाव, निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने से सामने आया। इससे अब विभिन्न स्तर पर महिला नेतृत्व उभरता हुआ नजर आने लगा है। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि समान नागरिक संहित में भी महिलाएं आर्थिक सामाजिक तौर पर सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। पृथक उत्तराखंड राज्य के गठन में महिलाओं की अहम भूमिका रही है। पलायन प्रभावित कई पहाड़ी जिलों में तो महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक है। इस कारण महिलाओं को पहाड़ के लोक जीवन की धुरी भी कहा जाता है। वर्तमान सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए, अब सहकारी समितियों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने का निर्णय लिया है। धामी सरकार ने उत्तराखंड की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण फिर लागू कर दिया है। राज्य की वर्तमान मुख्य सचिव भी एक महिला हैं। साथ ही कई जिलों में जिलाधिकारी के साथ ही पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी तक महिलाएं उठा रही हैं। उच्च शिक्षा में भी छात्राओं की संख्या बढ़ती जा रही है, प्रदेश सरकार बालिका शिक्षा के लिए कई तरह से प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए नंदा गौरा योजना के तहत बेटी के जन्म के साथ ही 12 हजार और 12 वीं पास करने पर 51 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है।

महिलाओं को सुरक्षित आवासीय सुविधा मिलती है

उत्तराखंड सरकार हर साल वीरांगना तीलू रौतेली के जन्मदिन पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखलनीय कार्य करने वाली उत्तराखंड की महिलाओं को राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरसकार प्रदान करती है। इस पुरस्कार के तहत 51 हजार की धनराशि, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। सरकार प्रत्येक जिले में कामकाजी महिला हॉस्टल भी शुरू करने जा रही है। देहरादून और हरिद्वार में इस तरह के हॉस्टल शुरू भी हो चुके हैं। यहां घर से दूर रहने वाली महिलाओं को सस्ती दरों पर सुरक्षित आवासीय सुविधा मिलती है।

सुधर रहा आर्थिक सशक्तिकरण

सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए,महिलाओं के नाम प्रापर्टी खरीदने पर,स्टाम्प ड्यूटी में भी छूट दे रही है। सरकार महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए लखपति दीदी योजना भी चला रही है। इसमें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी प्रत्येक महिला की सालाना आय एक लाख के पार पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें महिलाओं को कृषि उत्पाद, दुग्ध उत्पादन, सिलाई कढ़ाई के साथ ही रसोई गैर वितरण, प्रारंभिक पशु चिकित्सा सेवा, बीमा योजना, डिजिटल लेनदेन का प्रशिक्षण देकर आजीविका से जोड़ा जा रहा है।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने का एक मात्र उपाय है बुद्धिज्म : जॉन

कुशीनगर। एजेंसी

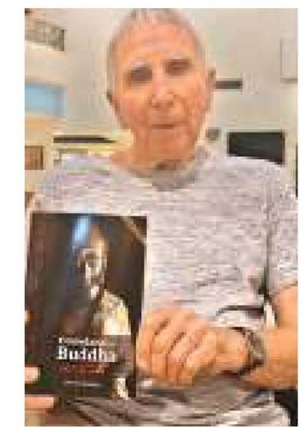

बौद्ध सर्किट के भ्रमण पर कुशीनगर आए यूरोपीय सैलानियों के दल को लीड कर रहे न्यूजीलैंड के 84 वर्षीय जॉन मैकनॉन ने बौद्ध स्थलों के पूर्व में किए भ्रमण के अनुभवों के आधार पर 'होम लैंड ऑफ द बुद्धा' किताब लिखी है, जो ऑनलाइन प्लेटफार्म पर उपलब्ध है।

जॉन मैकनॉन बुद्धिज्म को विश्व के समक्ष व्याप्त वर्तमान चुनौतियों के निदान का एकमात्र उपाय बताते हैं। इनका मानना है कि बुद्धिज्म में करुणा, अहिंसा, सहिष्णुता की जो अवधारणा वह आज के परिवेश के लिए सटीक है। मानवता के लिए इसे लोगों को अनिवार्य रूप से अपनाना चाहिए। यह बातें वह शनिवार को प्रतिनिधि से एक विशेष वार्ता के दौरान बतायी। उन्होंने बताया कि मैं 1964 में पहली बार भारत की यात्रा पर वाराणसी आए थे। उस दौरान वह नेपाल में पहले माउंट एवरेस्ट विजेता सर एडमंड हिलेरी के वालंटियर के तौर पर कार्य करते थे। जान न केवल हिलेरी के मेडिकल एडवाइजर टीम के सदस्य थे, बल्कि हिलेरी के नेपाल में चल रहे शिक्षा स्वास्थ्य की अनेक परियोजनाओं में कार्य किया। नेपाल में कार्य करने के दौरान उनका बुद्धिज्म से परिचय हुआ। उनकी बार-बार बौद्ध सर्किट में आने की इच्छा होती है। उनका कहना है कि जीवन पर्यन्त बुद्धिज्म के लिए कार्य करने का संकल्प लिया हुआ है। वह और लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करते हैं।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री लामिछाने को आज कोर्ट में किया जाएगा पेश

काठमांडू। एजेंसी

सहकारी घोटाला मामले में शुक्रवार शाम को काठमांडू से गिरफ्तार किए गए नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने को सुरक्षा कारणों से रातोंरात सड़क मार्ग से पोखरा ले जाया गया।

पोखरा थाने की पुलिस लामिछाने को रविवार को अदालत में पेश कर उनकी 15 दिनों की कस्टडी की मांग करेगी। विभिन्न सहकारी बैंकों के करीब 135 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में आरोपित रवि लामिछाने को पुलिस ने काठमांडू स्थित उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के दफ्तर से गिरफ्तार किया था। इस घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के एसपी हविंद्र बोगटी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से आरोपित को रातोंरात सड़क मार्ग से पोखरा ले जाया गया। काठमांडू से पोखरा तक के रास्ते में पुलिस को कई स्थानों पर रवि के समर्थकों के विरोध का भी सामना करना पड़ा लेकिन सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। बोगटी ने बताया कि लामिछाने को शनिवार सुबह 4 बजे पोखरा पहुंचा दिया गया। पोखरा के ही मेडिकल कालेज में उनकी चिकित्सा जांच करायी गयी और पोखरा पुलिस की कस्टडी में सौंप दिया गया। आज शनिवार को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण अब उनको रविवार को जिला अदालत में पेश किया जाएगा। पोखरा पुलिस जिला अदालत से उनकी 15 दिनों की कस्टडी की मांग करेगी।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू के घर पर ड्रोन हमला, किसी ने नहीं ली जिम्मेदारी

तेल अवीव/बेरूत। एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर ड्रोन हमला हुआ है। नेतन्याहू के कार्यालय ने माना कि शनिवार को केंद्रीय शहर में लेबनान का एक ड्रोन ढांचे से टकरा गया। इस सूचना के फौरन बाद कैसरिया में उनके आवास को ड्रोन से निशाना बनाया गया।

बेरूत के प्रमुख समाचार पत्र लो ओरिएंट टुडे की खबर के अनुसार, अभी तक किसी आतंकवादी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान में कहा एक यूएवी को कैसरिया में प्रधानमंत्री के आवास की ओर भेजा गया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले आज सुबह इजराइली डिफेंस फोर्सेज ने एक्स पोस्ट में आगाह किया था कि हाइफा और दक्षिणी इजराइल में सायरन बज रहे हैं। बताया जा रहा है कि नेतन्याहू के आवास को लेबनान से ड्रोन के जरिये निशाना बनाया गया। तीन ड्रोन इजरायल पर हमले के लिए भेजे गए। आईडीएफ ने कहा कि आज सुबह हिजबुल्लाह ने हाइफा और उत्तरी इजराइल पर 55 आग्नेय हथियार दागे। इस कारण हजारों नागरिकों को सुरक्षित स्थानों में शरण लेनी पड़ी। हिजबुल्ला के अल मनार टीवी के अनुसार, इससे पहले शुक्रवार तड़के इस्लामिक प्रतिरोध के ऑपरेशंस रूम ने बयान जारी कर इजराइल के साथ सैन्य टकराव के बढ़ने की घोषणा की। बयान में कहा गया कि लड़ाई में इजराइली सेना को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। लेबनान-फिलिस्तीन सीमा के पास जमीनी अभियान की शुरूआत के बाद से इजराइल दुश्मन ने सैकड़ों टैंक और सैन्य वाहनों के साथ 70,000 से अधिक अधिकारियों और सैनिकों वाले पांच सैन्य डिवीजनों को तैनात किया है। इस्लामिक प्रतिरोध के सैकड़ों लड़ाके दक्षिण लेबनान के गांवों में किसी भी इजराइली जमीनी घुसपैठ का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

कराची में किशोरी, दो युवतियों और बुजुर्ग महिला की हत्या

कराची। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के ल्यारी क्षेत्र की ली मार्केट इलाके में एक अपार्टमेंट (जैनब आर्केड) से तीन महिलाओं और एक किशोरी शव मिले हैं। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, चारों के गला कटे शव आज सुबह पुलिस ने जैनब आर्केड की सातवीं मंजिल से बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बदन पर यातना के निशान भी हैं। चारों की पहचान हो गई है। इनके नाम 13 साल की अलीना, 18 साल की मदीहा, 19 साल की आयशा और 51 साल की शहनाज हैं। चारों शव अलग-अलग कमरों में पाए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बंटवा गली में लगे सीसीटीवी की फुटेज जांच के लिए हासिल की जा रही है। परिवार के मुखिया मुहम्मद फारूक ने पुलिस से कहा है कि मृतकों में उनकी पत्नी, बेटी, पोती और एक बहू शामिल हैं। जब यह घटना हुई तब वह और उनके दो बेटे घर पर नहीं थे। उन्हें किसी पर शक नहीं है। न ही उनकी किसी से कोई दुश्मनी है। हालांकि पुलिस ने परिवार के मुखिया फारूक और उसके दो बेटों को हिरासत में लिया है।

इजराइल का गाजा पर हमला, 30 से अधिक लोग मारे गए

गाजा। इजराइल के हमलों से मलबे के ढेर में तबदील हो चुके गाजा में आतंकवादी संगठन हमास प्रमुख याह्या सिनवार के मारे जाने के बाद दहशतगर्द बिलबिला गए हैं। अब हमास गाजा से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति को अपना सरगना बनाने पर विचार कर रहा है। इस बीच नासर जंक्शन के पास इजराइली हवाई हमले में 30 से अधिक नागरिक मारे गए। फिलिस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए (वाफा) ने आज सुबह नासर जंक्शन हमले की जानकारी दी। वाफा के अनुसार, गाजा पट्टी के उत्तर में जबालिया शिविर में नासर जंक्शन के पास इजराइली हवाई हमले में 20 बच्चों और महिलाओं सहित 30 से अधिक नागरिक मारे गए और 50 से अधिक अन्य घायल हो गए। इजराइल के सुरक्षा बलों ने गाजा पट्टी के उत्तर में नासर जंक्शन के पास कई घरों को बम से उड़ा दिया। वाफा के अनुसार, इजराइल का सात अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी पर आक्रमण जारी है। अब तक 42,500 नागरिक मारे गए और 99,546 अन्य घायल हो गए।

एएसएमटी-10 में व्यापारियों को नोटिस देकर अनावश्यक मांगी जा रही जानकारीः गुफरान

मुरादाबाद। एजेंसी

जोनल टैक्स बार एसोसिएशन मुरादाबाद का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को संकाय के अध्यक्ष गुफरान माजिद के नेतृत्व में एडिशनल कमिश्नर आरएस द्विवेदी से मिला। जोनल टैक्स बार एसोसिएशन के महासचिव शाहवेज मलिक महासचिव ने एएसएमटी-10 में अधिकारियों द्वारा व्यापारियों को दिए जा रहे जो नोटिस व समस्याओं के संदर्भ में उन्हें अवगत कराया। उन्होंने एडिशनल कमिश्नर को बताया गया कि कर-अवधि 2020-21 में जारी एएसएमटी-10 में अधिकारियों द्वारा जो नोटिस व्यापारियों को दिए जा रहे हैं, उनमें अनावश्यक जानकारी मांगी जा रही है, जबकि एएसएमटी-10 में केवल विसंगतियों से संबंधित ही प्रश्न पूछे जा सकते हैं। एक ही कर-अवधि के मासिक स्तर पर भी नोटिस जारी किए जा रहे हैं और वार्षिक आधार पर भी नोटिस जारी कर के व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है। जोनल टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गुफरान माजिद ने बताया कि एडिशनल कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इस संबंध अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए जाएंगे। माजिद ने कहा कि यदि जोनल स्तर पर समाधान नहीं होता है तो इन समस्याओं के लिए मुख्यालय स्तर पर पत्र भेज कर अवगत कराया जाएगा।

वादे के अनुसार धान 3100 रुपए क्विंटल खरीद करवाएं सीएम : बजरंग गर्ग

फतेहाबाद। एजेंसी

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने शनिवार को फतेहाबाद अनाज मंडी में धान खरीद का जायजा लेने के उपरांत कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने घोषणा की थी कि हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने पर 10 अक्टूबर से किसान का धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल खरीदी जाएगी। मुख्यमंत्री को अपने वादे के अनुसार किसान की धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल खरीदनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि धान का एमएसपी 2320 रुपए है मगर किसान का धान एमएसपी से कम रेटों में बिक रही है। किसान अपनी धान बेचने के लिए एक महीने से मंडियों में धक्के खा रहा है। सरकार के धान खरीद, उठान व भुगतान के सभी दावे फेल सिद्ध हुए हैं। सरकार को अपने वादे के अनुसार 72 घंटे में धान की खरीद, उठाने व भुगतान करना चाहिए।

सरकार को धान खरीद पर किसान को 300 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को पराली जलाने के रोक थाम के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। सरकार को किसान को हैप्पी सीडर मशीनों पर 100 प्रतिशत सब्सिडी देनी चाहिए और सरकार को पराली की सरकारी खरीद करनी चाहिए जबकि पराली गता, प्लाईवुड फैक्ट्री व गौशाला में भारी तादाद में उपयोग भी होती है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार द्वारा धान, गेंहू व बाजार पर आढ़तियों का कमीशन कम करने पर व्यापारियों में भारी नाराजगी है जबकि 30 सालों से हर अनाज खरीद पर 2.5 प्रतिशत आढ़तियों को कमीशन मिलता आ रहा था जबकि 30 सालों में महंगाई तो कई गुणा बढ़ गई।

निर्जला व्रत › **करवा चौथ का त्योहार हिंदू रीति रिवाजों में कई मायनों में महिलाओं के लिए बेहद खास**

महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए रखेंगी निर्जला व्रत

- शहरों और कस्बों के बाजारों में इन दिनों काफी रौनक देखी जा रही है

जयपुर। एजेंसी

पिया प्रेम व्रत है राखों, उत्सव पावन आयो रे, चरण पिया संसार म्हारों, पिया म्हारो प्यारो रे... सुहाग पर्व करवा चौथ का त्योहार रविवार को मनाया जाएगा है। करवा चौथ का त्योहार हिंदू रीति रिवाजों में कई मायनों में महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए सुबह से ही निर्जला व्रत रखती हैं और रात को चंद्रमा को अर्घ्य देकर ही अपना व्रत खोलती हैं।

करवा चौथ को लेकर शहरों और कस्बों के बाजारों में इन दिनों काफी रौनक देखी जा रही है। महिलाएं करवाचौथ के लिए कपड़े, गहने, चूड़ियां और अन्य सामान की खरीदारी की जा रही है। करवा चौथ को लेकर कुम्भकार भी जोर शोर से करवा बनाने के काम में जुटे हैं। कुम्भकार सुरेश ने बताया की इस सुहाग पर्व पर सामान्य मिट्टी के करवे की तरह और कई डिजाइन के करवे मुख्य रूप से पसंद किए जाते है। इसकी तैयारियां जारी हैं। त्योहार के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में तैयार किए गए हैं और बाजार में बीस रुपये से चालीस रुपये की कीमत में बेचे जा रहे हैं। इसके तहत पहले मिट्टी को साफ कर चाक पर हाथों से स्वरूप दिया जाता है। इसके पश्चात इसमें मिट्टी कलर करके ढांचा तैयार कर इसे आग की सहायता से भट्टी पर पकाया जाता है। पूरी तरह पकने के पश्चात इनमें सुंदर सुंदर रंग भरकर बाजार में बेचने के लिए तैयार किया जाता है। कुम्भकारों का कहना है कि आमजन में देशी वस्तुओं के लिए भावना पुनरू जागृत होने से उनके उत्पाद की अच्छी मांग है।

सुख-समृद्धि और पति की लंबी आयु की जाएगी कामना

महिलाओं द्वारा रविवार को करवा चौथ पर गणेश जी और चौथ माता मंदिर में सुख-समृद्धि और पति की लंबी आयु की कामना की जाएगी। इसके साथ ही परिवार की महिलाओं के साथ गणेश जी और चौथ माता की कथा सुनेगी और चौथ माता की विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान चौथ माता की ज्योत देखकर आरती कर पकवानों का भोग लगाया जाएगा। पूजा में मिट्टी और चीनी के करवे की भी पूजा कर सुहाग की वस्तुओं का दान भी किया जाएगा।

सुहागिन महिलाओं ने चौथ माता की पूजा-अर्चना के बाद चांद का दीदार कर पति के हाथों पानी पीकर व्रत खोलेगी। इससे पहले रात्रि में चांद के दीदार के बाद चीनी मिट्टी के करवे की अदला-बदली करने के बाद बयाना दिया जाएगा, जिसमें सात पुरियां , गुलगुले, मिठाइयां आदि का चांद को अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं सुहागिनें रात को सुहाग की तेरह वस्तु व तेरह करवे कलप कर उद्यापन किया जाएगा।

मणिपुर ब्यूटी ऑफ इंडिया, राजस्थान की कला और संस्कृति अपने आप में अनूठी : गुईटे

बीकानेर। एजेंसी

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2011 बैच के अधिकारी व राजस्थान सरकार के आयुक्त एवं विशेष सचिव, शासन, निशक्तजन विभाग एच.एल. गुईटे ने शनिवार को बीकानेर में कहा कि मणिपुर और राजस्थान की संस्कृति बिल्कुल अलग है। हालांकि मणिपुर छोटा राज्य है। वहां की और यहां की संस्कृति के बारे में हम शेयर करते रहते हैं। राजस्थान से भी कई अधिकारी वहां कार्यरत है जिन्हें मणिपुर कैडर मिला हुआ है। मणिपुर ब्यूटी ऑफ इंडिया है, तो राजस्थान की कला और संस्कृति अपने आप में अनूठी है। क्रॉस कल्चर एक्सचेंज करते रहते हैं। महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी (एमजीएसयू) द्वारा आयोजित भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद के 61वें अधिवेशन में भाग लेने आए गुईटे ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि राजस्थान की विशिष्ट कला और संस्कृति के लिए राज्य को जाना जाता है। हाथ से बने उत्पाद यहां की एक प्रमुख विशेषता है।

युवाओं को सीख देने के उद्देश्य से उन्होंने मेंटल रिलेक्शन (मानसिक स्वास्थ्य) के बारे में बात की और कहा कि हमारा मानसिक स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है, स्वस्थ विकल्प कैसे चुनना है यह निर्धारित करने में मदद करता है। मेंटल रिलेक्शन ही हमारे जीवन के कई पहलूओं को प्रभावित कर सकता है। साथ ही विषय और अनुशासन (सब्जेक्ट डिसीप्लेन) दोनों ही सैद्धांतिक अभ्यास है।

संक्षिप्त खबरें

कार्तिक सिंह के प्रदर्शन से भारत 8वें स्थान पर पहुंचा

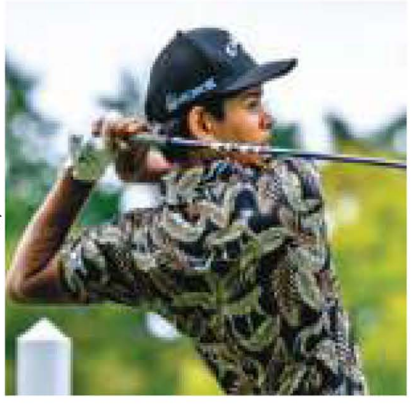

है फोंग। भारतीय गोल्फर कार्तिक सिंह के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत एशिया-पैसिफिक एमेच्योर टीम चैंपियनशिप में भारत आठवें स्थान पर रहा। कार्तिक ईवन पार 72 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा में दसवें स्थान पर रहे,जबकि रोहित (77) और अनंत सिंह अहलावत (76) दोनों संयुक्त 25वें स्थान पर रहे। कार्तिक ने पांच बर्डी और पांच बोगी तथा दस पार के साथ शानदार प्रदर्शन किया और सप्ताह के लिए कुल 2-अंडर स्कोर किया। यह एक और बेहतरीन प्रदर्शन था और वह भारतीय गोल्फ संघ द्वारा उन पर जताए गए भरोसे को सही साबित कर रहा है। वियतनाम व्यक्तिगत और टीम प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान पर है। गुयेन एनह मिन्ह ने वियतनाम को ऐतिहासिक जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विंपर्ल है फोंग में चार दिनों के दौरान, एनह मिन्ह ने विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में 84वें स्थान पर रहते हुए 57 खिलाड़ियों के बीच सर्वोच्च रेटिंग वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखा। 71, 67, 71 और समापन 67 के राउंड के साथ, एनह मिन्ह ने 12-अंडर कुल 276 के स्कोर के साथ समापन किया। उन्होंने पूरे सप्ताह केवल तीन बोगी की, दो पहले दिन और एक राउंड तीसरे में। व्यक्तिगत स्टैंडिंग में, वे दूसरे स्थान पर रहने वाले ऑस्ट्रेलियाई डेक्लान ओ डोनोवन से दो शॉट आगे रहे।

हाफ मैराथनः एड्रिस-चेप्टेगी और मैककोलगन-लिमो के बीच होगा दिलचस्प मुकाबला

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, दिल्ली हाफ मैराथन के आगामी संस्करण में रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में शीर्ष सम्मान के लिए कुछ विश्व स्तरीय धावक भाग लेंगे। युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी, जो दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, का सामना इथियोपिया के दो बार के 5000 मीटर विश्व चैंपियन मुक्तार एड्रिस से होने वाला है। दिलचस्प बात यह है कि एड्रिस ने हाल ही में टिलबर्ग में 10 मील की दौड़ में चेप्टेगी को हराया था। शुक्रवार शाम को यहां रेस से पहले प्रेस मीट में शीर्ष एथलीटों ने हिस्सा लिया। युगांडा पुलिस बल में कार्यरत चेप्टेगी ने बताया कि कैसे भारत में उनकी पहली रेस ने उनके करियर के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया। उन्होंने कहा भारत ने मेरे लिए एक बड़ी भूमिका निभाई, खासकर इसलिए क्योंकि यह मेरी सफलता की कहानी का एक बड़ा हिस्सा था। इसने मुझे एक वास्तविक अवसर दिया, और दस साल बाद भी, मेरी प्रबंधन टीम ने कहा, 'यदि आप अपने करियर के और 10 साल सड़कों पर बिताना चाहते हैं, तो आपको भारत वापस जाना होगा।

पीकेएल 11 के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए विद्या बालन, कार्तिक

हैदराबाद। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 की शुरूआत सितारों से सजी हुई थी। शुक्रवार शाम बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां विद्या बालन और कार्तिक आर्यन तेलुगु टाइटन्स और बेंगलुरु बुल्स के बीच खेले गए पहले मैच में शामिल हुईं। दोनों स्टार अपनी आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3 के प्रमोशन के लिए आए थे और हैदराबाद के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में उनकी मौजूदगी ने पहले से ही जोश से भरे माहौल में चार चांद लगा दिए। कार्तिक आर्यन ने इस अवसर पर कहा मैं बचपन में गली कबड्डी खेलता था, लेकिन प्रो कबड्डी लीग में जिस तरह से यह खेली जा रही है, उस तरह से पेशेवर स्तर पर नहीं। इसे देखना बहुत मजेदार है। वहीं, विद्या बालन ने इस सीजन के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा मुझे कबड्डी देखने में मजा आया। हम पवन (सेहरावत) और प्रदीप (नरवाल) से मिले, जो शानदार खिलाड़ी हैं। पवन एक बेहतरीन खिलाड़ी है और प्रदीप रिकॉर्ड तोड़ने वाला खिलाड़ी है।

भारतीय टीम ने जापान को 4-2 से हराया

- भारतीय टीम अपने दूसरे मुकाबले में 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से भिड़ेगा
- भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया

जोहोर बाहरू (मलेशिया)। एजेंसी

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2024 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की है। भारतीय टीम ने यहां शनिवार को खेले गए अपने पहले मैच में जापान को 4-2 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से आमिर अली (12वें मिनट), गुरजोत सिंह (36वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाह (44वें मिनट) और अंकित पाल (47वें मिनट) ने गोल किए, जबकि जापान के लिए ट्सुबासा तनाका (26वें मिनट) और राकुसेई यामानाका (57वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय टीम अपने दूसरे मुकाबले में 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से भिड़ेगा।

यह मैच शुरू से ही काफी रोमांचक रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और शुरू से ही गोल करने के मौके तलाशते रहे। मैच के 12वें मिनट में भारतीय कप्तान आमिर अली ने बेहतरीन गोल किया।

इसके बाद जापान के ट्सुबासा तनाका ने 26वें मिनट में बराबरी का गोल किया। हालांकि इस बराबरी के गोल से भारतीय टीम के हौसले कम नहीं हुए। हाफ-टाइम ब्रेक के छह मिनट बाद भारतीय टीम ने अपनी बढ़त फिर से हासिल कर ली। गुरजोत सिंह ने 36वें मिनट में एक बेहतरीन फील्ड गोल किया। इसके कुछ ही मिनटों बाद एक और गोल आया।

44वें मिनट में सौरभ कुशवाह ने जापान के गोलकीपर को छकाते हुए गोल दागा। इससे भारतीय टीम की बढ़त 3-1 हो गई। अंतिम क्वार्टर में अंकित पाल ने गोल करते हुए भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अंकित ने 47वें मिनट में टीम का चौथा गोल किया। भारतीय टीम का स्कोर 4-1 हो गया। हालांकि जापान की ओर से 57वें मिनट में एक और गोल आया। राकुसेई यामानाका ने यह गोल किया लेकिन अंत में भारतीय टीम ने 4-2 से यह मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बेंगलुरु टेस्ट : न्यूजीलैंड को मिला 107 रन का लक्ष्य

बेंगलुरु। एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के चौथे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 462 रन बनाए। इससे न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य मिला। इसके बाद दूसरी पारी में न्यूजीलैंड बल्लेबाजी करने उतरी और चार गेंदे फेंके जाने के बाद खेल को खराब रोशनी के कारण रोक दिया गया।

अंपायर के इस फैसले से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली बिल्कुल भी खुश नहीं थे। दोनों अंपायर्स से बातचीत करते दिखे। हालांकि इसी बीच आसमान में काले घने बादल छाए छा गए और बारिश होने लगी। इसके बाद अंपायर्स ने स्टंप्स का फैसला लिया। इस तरह चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे क्रिज पर मौजूद थे। इससे पहले चौथे दिन आखिरी सेशन में भारतीय टीम की दूसरी पारी 462 रन पर सिमटी। दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 रन जोड़े।

यशस्वी 52 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान रोहित ने टेस्ट करियर का 18वां अर्धशतक जड़ा। रोहित अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन वह अजीब तरीके से आउट हो गए। दरअसल, रोहित ने गेंद को अच्छे से डिफेंड कर लिया था, लेकिन गेंद पीछे की ओर गई और स्टम्प्स में जा लगी। इस तरह रोहित आउट हो गए। रोहित ने 63 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। दो विकेट गिरने के बाद विराट कोहली और सरफराज खान ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन बटोरे। इस दौरान सरफराज ने अपने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक लगाया। फिर इसके बाद कोहली ने भी पचासा जड़ दिया। इस दौरान कोहली टेस्ट में नौ हजार रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज भी बन गए।

कोहली और सरफराज दोनों 100 रन से अधिक साझेदारी कर भारतीय टीम को मुश्किल से निकाल रहे थे, लेकिन तीसरे दिन के खेल की अंतिम गेंद पर कोहली ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हो गए।

सरफराज खान और ऋषभ पंत ने खेली बेहतरीन पारी-

चौथे दिन सुबह जब सरफराज खान और ऋषभ पंत बल्लेबाजी करने उतरे तो भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर न्यूजीलैंड से 125 रनों से पीछे थी। दोनों बल्लेबाजों ने शुरूआत में संभलकर खेला, लेकिन इसके बाद अपने हाथ खोलने शुरू किये। सरफराज ने 110 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। यह अंतरराष्ट्रीय टेस्ट में उनका पहला शतक है। पंत ने भी 55 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने 71 ओवर में 3 विकेट पर 344 रन बना लिए थे, तभी बारिश शुरू हो गई और अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी। मैच दोबारा जब शुरू हुआ तो पंत और सरफराज ने उसी अंदाज से आगे भी बल्लेबाजी की।

सबसे तेज 2500 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर बने ऋषभ पंत

बेंगलुरु। एजेंसी

ऋषभ पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वह एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सबसे तेज 2500 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ने यह उपलब्धि सिर्फ 62 पारियों में हासिल की। उन्होंने पूर्व कप्तान एमएस धोनी के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 69 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारतीय क्रिकेट के एक अन्य दिग्गज फारुख इंजीनियर ने इससे पहले 82 पारियों में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। पंत की यह उल्लेखनीय उपलब्धि तब सामने आई जब भारत ने जोरदार वापसी करते हुए चौथे दिन 405 रन पर 3 विकेट बना लिए हैं , भारतीय टीम ने अब 49 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। पंत 88 और सरफराज 148 रन बनाकर खेल रहे हैं। भारत ने चौथे दिन 231/3 से आगे खेलना शुरू किया और पंत और सरफराज को भारत को लक्ष्य के करीब ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। तीसरे दिन कीपिंग करते समय घुटने में चोट लगने के बावजूद, पंत ने असहजता के कोई लक्षण नहीं दिखाए और उन्होंने अपनी खास आक्रामक शैली के साथ मोर्चा संभाला। सतर्क शुरूआत के बाद, उन्होंने जवाबी हमला किया, बाएं हाथ के स्पिनर एजाज पटेल की गेंदों पर लगातार दो छक्के लगाए और शानदार ड्राइव और स्वीप की एक श्रृंखला खेली।

पीकेएलः करिश्माई आशु मलिक ने दबंग दिल्ली के.सी. को यू मुंबा के खिलाफ दिलाई जीत

हैदराबाद। एजेंसी

दबंग दिल्ली के.सी. ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 में अपने अभियान की शानदार शुरूआत करते हुए आशु मलिक के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यू मुंबा को 36-28 से हराया। आशु मलिक ने अपनी टीम के लिए 10 अंक बनाए। मैच में शुरूआत से ही दबंग दिल्ली के.सी. और यू मुंबा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें कोई भी टीम शुरूआती बढ़त हासिल नहीं कर पाई।

दबंग दिल्ली के.सी. के लिए आशु मलिक बढ़त बनाए हुए थे, जबकि यू मुंबा की तरफ से अजीत चव्हाण शुरूआती मुकाबलों में सबसे ज्यादा अंक हासिल कर रहे थे। थोड़ी देर बाद आशु मलिक ने यू मुंबा को ऑल-आउट कर दिया और दबंग दिल्ली के.सी. को पहले हाफ के बीच में 4 अंकों की बढ़त दिलाने में मदद की। इसके बाद दबंग दिल्ली के.सी. ने मैच को अपने नाम कर लिया। टीम यू मुंबा को हाफ टाइम तक रोके रखने में सफल रही। हाफ टाइम ब्रेक के समय, दबंग दिल्ली के.सी. की टीम यू मुंबा से 4 अंक आगे थी। इस समय, दबंग दिल्ली के.सी. के लिए आशु मलिक ने 6 अंक बनाए और टीम 19-15 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में दबंग दिल्ली के.सी. की टीम ने मुकाबले में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।

आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में सुनील गावस्कर, शॉन पोलक, विवियन रिचर्ड्स शामिल

मुंबई। एजेंसी

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) ने अपनी गवर्निंग काउंसिल के गठन की घोषणा की है, जिसमें क्रिकेट की तीन महान हस्तियाँ लीग कमिश्नर सुनील गावस्कर, सर विवियन रिचर्ड्स और शॉन पोलक शामिल हैं। ये तीनों खिलाड़ी आईएमएल की रणनीतिक दिशा, नियमों और संचालन की देखरेख करेगी। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का पहला संस्करण 17 नवंबर से 8 दिसंबर, 2024 तक खेला जाएगा, जिसमें नवी मुंबई का डी.वाई. पाटिल स्टेडियम शुरूआती चरण की मेजबानी करेगा। लखनऊ और रायपुर अन्य दो स्थान होंगे, जिनमें रायपुर फाइनल की मेजबानी करेगा। क्रिकेट के अग्रणी और टेस्ट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज, सुनील गावस्कर अपने चतुर क्रिकेट दिमाग और खेल की अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। गावस्कर ने एक विज्ञप्ति में कहा, ₹गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के रूप में हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग क्रिकेट की भावना के प्रति सच्ची बनी रहे, जबकि वैश्विक स्तर पर प्रशंसकों को मनोरंजन प्रदान किया जाए। आईएमएल न केवल खेल के महारथियों के लिए एक श्रद्धांजलि है, बल्कि उन प्रशंसकों के लिए एक उत्सव भी है जो अपने नायकों को संजोना जारी रखते हैं। सर विव रिचर्ड्स, जो अब तक के सबसे विध्वंसक बल्लेबाजों में से एक हैं, 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट पर छाई वेस्टइंडीज टीम के अभिन्न सदस्य थे। वे सीमित ओवरों के खेल में अपने समय से आगे के खिलाड़ी थे।

व्यापार

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, 21,823 करोड़ से अधिक के शेयर बेचे

अक्टूबर में अभी तक एफआईआई ने की है 80 हजार करोड़ से अधिक की बिकवाली

नई दिल्ली। एजेंसी

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अक्टूबर में अभी तक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों ने साप्ताहिक आधार पर 21,823.34 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिक्री की। सिर्फ शुक्रवार को ही विदेशी निवेशकों ने दिनभर में 5,485.70 करोड़ रुपये की बिकवाली की। अक्टूबर में अब तक कुल 13 दिन कारोबार हुआ है। इन 13 दिनों में विदेशी निवेशक खरीदारी की तुलना में काफी अधिक बिकवाली करते रहे हैं। इस दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 80,217.90 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। स्टॉक एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में विदेशी संस्थागत निवेशक जहां अंधाधुंध बिकवाली करते रहे, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) खरीदारी करके लगातार शेयर बाजार को सपोर्ट देने की कोशिश करते रहे। सिर्फ शुक्रवार को ही घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,214.83 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस माह अभी तक घरेलू संस्थागत निवेशक करीब 74,176.20 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी कर चुके हैं।

स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों को देखें तो इस साल विदेशी संस्थागत निवेशक कुल 2.19 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली कर चुके हैं। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस अवधि में 4.92 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की है। आंकड़े से साफ है कि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने विदेशी निवेशकों की बिकवाली की तुलना में दो गुना से काफी अधिक खरीदारी करके घरेलू शेयर बाजार को लगातार सपोर्ट देने की कोशिश की है। घरेलू निवेशकों की इस खरीदारी के कारण ही मिडिल ईस्ट के जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बावजूद शेयर बाजार ध्वस्त होने से बच गया।

करवा चौथ पर देशभर में 22 हजार करोड़ रुपये के व्यापार होने का अनुमान

नई दिल्ली। एजेंसी

त्योहारी सीजन से देशभर के बाजारों में रौनक लौट आई है। नवरात्रि के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फैन्सी आइटम और कपड़े सहित अन्य चीजों की अच्छी बिक्री रही। अब कारोबारियों को करवा चौथ, धनतेरस और दिवाली से काफी उम्मीद है। देश में करवा चौथ का त्योहार रविवार, 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस त्योहार की विशेष महत्ता है, क्योंकि विवाहित महिलाओं के लिए यह खास त्योहार है। करवा चौथ के मौके पर दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में करीब 22 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। पिछले साल यह आंकड़ा करीब 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का था।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं भाजपा के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान की श्रृंखला में करवा चौथ पर सभी को भारत में ही बने सामानों को उपयोग में लाने का बड़ा संदेश देता है। पिछले दो दिनों से देशभर के बाजारों में इस पर्व की खरीदारी को लेकर जोश बना हुआ है। कपड़ों, ज्वेलरी से लेकर श्रृंगार-कॉस्मेटिक्स का सामान, गिफ्ट आइट्म्स, पूजा के समानों की जमकर शॉपिंग की जा रही है। व्यापारियों के मुताबिक करवा चौथ त्योहार पर देशभर में करीब 22 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होगा।

वित्त मंत्री ने भारत–मैक्सिको व्यापार और निवेश शिखर सम्मेलन में भाग लिया

भारत-मैक्सिको के बीच सहयोग संभावित रूप से और व्यापक हो सकता हैः सीतारमण

मैक्सिको सिटी/नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भारत-मैक्सिको के बीच सहयोग संभावित रूप से व्यापक और बहु-क्षेत्रीय हो सकता है। निर्मला सीतारमण ने मैक्सिको सिटी में 'व्यापार एवं निवेश सहयोग को बढ़ावा देने' पर आयोजित भारत-मैक्सिको व्यापार एवं निवेश शिखर सम्मेलन में को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहन तथा अधिक गतिशील सहयोग हो सकता है, जिसमें भारत विशेष रूप से फार्मा विनिर्माण तथा ऑटोमोटिव क्षेत्रों में विकास तथा निवेश के लिए जबरदस्त अवसर प्रदान कर रहा है। भारत की राजनीतिक स्थिरता, एक बड़े कुशल कार्यबल और बढ़ते बुनियादी ढांचे पर जोर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि संयुक्त प्रयास विविधीकरण के जरिए लचीलेपन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से सेमीकंडक्टर, मुद्रित सर्किट बोर्ड, पीसीबी और अन्य उच्च तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण घटकों के लिए है। इस व्यापार एवं निवेश शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय व्यापार एवं वाणिज्य परिषद, भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा मैक्सिको में भारतीय दूतावास और आर्थिक मामलों के विभाग के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में मैक्सिको सिटी की आर्थिक विकास मंत्री मनोला जाबोल्जा अल्दामा, मैक्सिको राज्य के लिए लॉरा गोंजालेज के साथ-साथ सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष रामचंद्रन दिनेश और कॉन्सेजो कोऑर्डिनेटर एम्प्रेसरियल के अध्यक्ष फ्रांसिस्को सर्वेंट्स डियाज भी उपस्थित थे। इसके अलावा आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, ऑटोमोटिव क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों के करीब 250 निवेशकों तथा व्यवसायिक कर्मियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शाखा जीवन में गहन और सघन साधना का मूल साधन है : वी. शान्ता कुमारी

अच्छा सृजन, संस्कार और समानता ही राष्ट्र को उन्नति की ओर ले जा सकता है

चमकता राजस्थान

जयपुर। राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका वी. शान्ता कुमारी ने कहा कि एक घंटे की शाखा जीवन में गहन तथा सघन साधना करने के लिए मूल साधन है। इसके माध्यम से व्यक्तित्व का निर्माण होता है। हमारी गणवेश हमारी अपनी पहचान है। सेविका शब्द मन में आने से हमारे मन में विचार आता है कि मैं एक भारत मां की पुत्री हूं, जिसका श्रेष्ठ इतिहास, परम्परा और संस्कृति है। इसलिए मैं एक हिन्दू हूं, जिसे पूरे विश्व में सम्मान मिल रहा है।
वी. शान्ता कुमारी शनिवार को राष्ट्र सेविका समिति, जयपुर विभाग की ओर से गालव, मालवीय, विद्याद्यर नगर और मानसरोवर जिले के शाखा संगम कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा हमें सभी से मित्रवत भाव रखते हुए, अपनी क्षमता और बुद्धि से आनंद एवं दृढता पूर्वक कार्य करना चाहिए। घर, समाज और राष्ट्र को चलाना है तो बुद्धि, धन और बाहुबल तीनों शक्ति की जरूरत होती है। यदि यह तीनों अच्छे व्यक्ति के हाथ में है तो कार्य को सही दिशा मिलती है और दुष्ट व्यक्ति के हाथ में है तो आतंकवाद बढता हैं, महिलाओं पर अत्याचार होता है। समाज में अस्थिरता देखने को मिलती है। इसलिए योग्य गुणों से युक्त व्यक्तित्व निर्माण अपनी राष्ट्र सेविका समिति शाखा का उददेश्य होना चाहिए।
उन्होंने तीन एस का जिक्र करते हुए कहा कि सृजन, संस्कार और समानता ही राष्ट्र को उन्नति की ओर ले जा सकता है। सृजन एक अच्छी संतान का निर्माण करना यानि संकल्प लेकर संतान को जनना। दूसरा संस्कार केवल जन्म देने से नहीं अच्छा संस्कार देना और तीसरा समानता निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित करना। उन्होंने कहा कि राजस्थान का नाम लेते ही वीरागंनाओं का स्मरण होता है। देश राष्ट्र समाज के लिए राजस्थान का विशेष योगदान रहा है।
कार्यक्रम में की मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की क्षेत्रीय महाप्रबंधक प्रमिला गुप्ता ने कहा सेविका समिति का कार्यक्रम सराहनीय है। हमें स्वाभिमान के साथ जरूरत पर दुर्गा तो पार्वती जैसी सौम्यता भी रखनी चाहिए।
राजस्थान विश्वविद्यालय के खेल मैदान में जयपुर विभाग की 12 शाखा लगाई गई। प्रत्येक शाखा में एक घंटे की शाखा के कार्यक्रम संचालित किए गए। ध्वज लगाने के साथ ही खेल, योग, व्यायाम एवं बौद्धिक हुआ। अंत में सेविका समिति की प्रार्थना के साथ कार्यक्रम समापन किया गया। इस अवसर पर विभाग सह कार्यवाहिका सम्पूर्णा देवी,अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमिला , क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख व्याख्याता मंजू शर्मा, क्षेत्रीय सम्पर्क प्रमुख नीलामणी, जयपुर प्रांत कार्यवाहिका संगीता जांगिड, सहकार्यवाहिका सरोज एव विभाग सहकार्यवाहिका डॉ. वन्दना पाण्डे सहित प्रांत एवं विभाग कार्यकारिणी भी उपस्थित रही।

भरतपुर में नकली सीओ बनकर करता था बेरोजगार छात्रों से ठगी

नकली सीओ के घर से पुलिस की वर्दी, बैच, कैप, मोहरें सहित मिले कई सामान

नौकरी के नाम पर कर चुका लाखों की ठगी

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)। में बीते दिनों जिले की नदबई थाना पुलिस ने नकली सीओ बनकर नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए आरोपी के घर डीएसटी पहुंची और सर्च के दौरान कई लोगों के कागज, नकली मोहरे, लोगों के पासपोर्ट साइज फोटो, पुलिस की वर्दी और वर्दी में लगे फोटो सहित अन्य समाना बरामद किया है। आरोपी के घर मिले कागजों की जानकारी की जा रही है।

तलाशी के दौरान घर पर मिलीं ये संदिग्ध वस्तुएं

शनिवार को डीएसटी टीम ने रणजीत नगर स्थित आरोपी के घर पहुंचकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के घर से राजस्थान पुलिस की वर्दियां,लोगों के फोटो,डॉक्यूमेंट के साथ नकली मोहरे मिली। पुलिस ने सामान को बरामद किया है और जांच की जा रही है।

सरकारी नौकरी के नाम की ठगी

» करीली निवासी अभिषेक ने 23 नवंबर 2023 को नदबई थाने में एक ठगी का मामला दर्ज करवाया था। उसने बताया कि चिकसाना थाना क्षेत्र के गांव पिडयानी निवासी अमरचंद पुत्र हीरालाल से मुलाकात हुई थी। जिसने मेरे और प्रशांत से पुलिस में कॉन्स्टेबल और हाईकोर्ट में चपरासी की नौकरी लगाने के नाम पर 5 लाख 50 हजार रुपये लिए थे।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

» पैसा लेने के बाद आरोपी के द्वारा आनाकानी की गई और गुमराह किया जाने लगा था, जिसके बाद पता लगा की वह नकली सीओ बनकर घूमता है और स्टूडेंट को सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करता है। वह लोगों को झांसे में लेने के लिए वर्दी पहनकर घूमता था, जिसके खिलाफ नदबई थाने में ठगी का मामला दर्ज कराया था। मामले दर्ज होने के बाद 8 अक्टूबर को नदबई थाना पुलिस ने आरोपी अमर चंद को गिरफ्तार कर लिया।

केदारनाथ धाम के कपाट तीन और बद्रीनाथ धाम के कपाट 17 नवंबर को होंगे बंद, उत्तराखंड सरकार का ऐलान

देहरादून/एजेंसी। देवभूमि उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। इस बीच उत्तराखंड सरकार ने शनिवार को चारों धामों के कपाट बंद होने की तारीखों का ऐलान कर दिया। उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के मुताबिक, नवंबर में चारों धाम के कपाट बंद हो जाएंगे। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि एक नवंबर को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होंगे। इसके अलावा यमुनोत्री धाम और केदारनाथ धाम के कपाट तीन नवंबर को बंद होंगे, जबकि तुंगनाथ धाम के कपाट चार नवंबर को और बद्रीनाथ धाम के कपाट 17 नवंबर को बंद होंगे। उन्होंने कहा, जो भी श्रद्धालु चारों धाम के दर्शन करना चाहते हैं। उन्हें इन तारीखों से पहले दर्शन के लिए पहुंचना होगा। इसके बाद सभी मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इस साल 10 मई को चारधाम यात्रा शुरू हुई थी। बीते दिनों केदारनाथ और बद्रीनाथ जाने वाले मार्गों पर बारिश ने तबाही मचा दी थी। इस वजह से श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। चारधाम यात्रा हर साल अप्रैल-मई में शुरू होकर अक्टूबर-नवंबर तक चलती है। चारधाम यात्रा पर जाने के लिए बायोमेट्रिक पंजीकरण आवश्यक होता है। ज्ञात हो कि इस साल 30 सितंबर तक 37 लाख 91 हजार 205 यात्री चार धाम दर्शन को आ चुके हैं, जबकि बीते साल 56.13 लाख यात्री दर्शन के लिए पहुंचे थे। साल 2022 में यह संख्या 46.29 लाख और 2019 में 34.77 लाख थी। साल 2020 और 2021 में कोरोना संक्रमण के चलते यात्रा प्रभावित रही। इन दो वर्षों में यात्रियों की संख्या क्रमशः 3.30 लाख और 5.29 लाख रही थी।

पंचायती मंत्रालयिक कर्मचारी संघ उपशाखा श्रीनगर एवं अंराई शाखा के चुनाव निर्विरोध हुए संपन्न

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक :-श्रीनगर / अजमेर। जिले की अराई एवं श्रीनगर व अंराई पंचायत समिति पंचायती राज मंत्रालयिक संगठन के चुनाव में पर्यवेक्षक के रूप में महेंद्र कुमार सेन अराई शाखा के चुनाव करवाए संपन्न एव श्रीनगर उप शाखा में पर्यवेक्षक के रूप में विक्रम सिंह रावत रहे मौजूद श्रीनगर शाखा के मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बलवंत सिंह रावत को निर्विरोध चुना गया व महामंत्री अमित चावरिया् संरक्षक महेंद्र कुमार सेन, कोषाध्यक्ष शंकर लाल मेघवंशी, महिला मोर्चा अध्यक्ष कमल रावत, तारा चौधरी, संगठन मंत्री आशीष सरावगी, चन्दन पारीक प्रचार प्रसाद मंत्री नंदराम चौधरी, गुलाब सिंह रावत, दिलावर अब्बास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए मुस्तान खान, जिला प्रतिनिधि जगदीश गुर्जर नरेंद्र गुर्जर रहे मौजूद।

इसी तरह अंराई शाखा के चुनाव हुए संपन्न

अंराई शाखा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत चुने गए वह महामंत्री अजय सिंह पवार, जिला प्रतिनिधि सुनील शर्मा रहे मौजूद अराई शाखा के संरक्षक हनुमान प्रसाद को बनाया गया व अजित सिंह कोठारी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष,, कोषाध्यक्ष धनराज राठौड़, प्रवक्ता रमेश चंद खटीक एवं सहलाकार लक्ष्मीकांत जोशी को बनाया गया। महेंद्र कुमार बसंत सक्सेना दिलकुश जांगिड़ तेजराम मीणा अनुराधा शर्मा मौजूद रहे। महेंद्र कुमार सेन ने बताया कि कार्यकारिणी गठित हो चुकी है शीघ्र ही आगे की रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बाबा सिद्दीकी की हत्या करने वाले शूटर के फोन पर मिली फोटो से पुलिस हैरान, यह विधायक भी था निशाने पर

मुंबई/एजेंसी। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में पुलिस ने अभी तक नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक शूटर और फरार साजिशकर्ता शुभम लोनकर की तलाश जारी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने शुभम लोनकर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया है। मुंबई पुलिस को शक है कि वह नेपाल भाग सकता है। इस बीच बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक और खुलासा हुआ है। आरोपी स्नैपचैट एप के माध्यम से एक-दूसरे से बात करते थे।

● शूटर के फोन में मिली जीशान की फोटो

मुंबई पुलिस हत्याकांड की गहनता से जांच कर रही है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कनेक्शन की भी पड़ताल की जा रही है। यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या सलमान खान की वजह से हत्याकांड को अंजाम दिया गया है? सूत्रों ने बताया कि एक शूटर के फोन पर बाबा सिद्दीकी के विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी की फोटो भी मिली है। जीशान की यह फोटो शूटरों के हैंडलर ने स्नैपचैट से भेजी थी। हालांकि आरोपियों ने स्नैपचैट से संदेश को डिलीट कर दिया है। इस बीच जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता की मौत का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की।
बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद शुभम लोनकर ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से हत्या की जिम्मेदारी ली थी। उसने हत्या के पीछे लारेंस बिश्नोई गैंग के होने की बात कही थी। पुलिस ने शुभम के भाई प्रवीण को गिरफ्तार कर लिया है। तीन महीने पहले बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश पुणे में रची गई थी। पुलिस के मुताबिक प्रवीण ने धर्मराज के माध्यम से शूटरों तक दो लाख रुपये की रकम पहुंचाई थी। आरोपियों ने कई बार बाबा सिद्दीकी की रेकी भी की थी।

जम्मू-कश्मीर : सड़क दुर्घटना में घायल सीआरपीएफ के एक जवान की इलाज के दौरान मौत

श्रीनगर/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार को सड×क दुर्घटना में घायल हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की शनिवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।
रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को सड़क हादसे में सीआरपीएफ के 19 जवान घायल हो गए थे। चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था, जिस कारण हादसा हो गया। घायल जवान सीआरपीएफ की 181-एफ कंपनी के थे। हादसे की जानकारी मिलने पर बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा और घायलों को बडगाम जिले के चरार-ए-शरीफ कस्बे के अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने नौ घायल जवानों को श्रीनगर शहर के एसएमएचएस अस्पताल रेफर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों में से एक ने आज अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वरिष्ठ अधिकारी घायल जवानों का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है।
घाटी में तेज और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण सड×क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। शुक्रवार को श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे पर मम्मार इलाके में एक निजी कार को तेल टैंकर ने टक्कर मार दी थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया था कि निजी कार का चालक धीमी गति से चल रहे वाहनों की कतार को ओवरटेक कर रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक तेल टैंकर ने कार को टक्कर मार दी थी।
पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर तेल टैंकर के चालक को हिरासत में ले लिया। कार में सवार अन्य दो घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई।

रूस में सड़क हादसे का शिकार बनी मैहर की सृष्टि का शव दिल्ली पहुंचा

भोपाल/एजेंसी। रूस में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही मध्य प्रदेश के मैहर की रहने वाली सृष्टि शर्मा रूस में एक हादसे का शिकार हो गई थी। राज्य सरकार की पहल पर सृष्टि का शव भारत लाया गया है और वह दिल्ली पहंच गया है। ज्ञात हो कि मैहर की रहने वाली सृष्टि शर्मा रूस के उफा में बश्किर स्टेट यूनिवर्सिटी में चौथे वर्ष की मेडिकल छात्रा थी जिसकी सड×क दुर्घटना में मौत हो गई थी। बताया गया है कि सृष्टि छुट्टियों में अपने दोस्तों के साथ यात्रा कर रही थी, तभी उनकी कार का एक पहिया निकल गया था और कार का दरवाजा खुल गया, जिससे सृष्टि सड×क पर गिर गई। इस हादसे में सृष्टि की मौत हो गई थी, मैहर की उसकी एक सहपाठी जोया के माध्यम से इस हादसे की जानकारी उसके परिवार तक पहुंची। सृष्टि के शव को भारत लाने के लिए परिजनों ने प्रयास किए, जिस पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विदेश मंत्रालय से संपर्क किया। यह प्रयास सफल हुआ है और मुख्यमंत्री डॉ यादव ने एक्स पर सृष्टि का शव दिल्ली पहुंचने की बात बताई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बताया है कि, रूस में अध्ययनरत मध्यप्रदेश के मैहर जिले की रहने वाली एमबीबीएस की छात्रा सृष्टि शर्मा पुत्री डॉ. राम कुमार शर्मा की कुछ दिनो पूर्व सड×क दुर्घटना में मृत्यु का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ था।मध्यप्रदेश सरकार बेटी के पार्थिव शरीर को यथाशीघ्र परिवार तक पहुंचाने के लिए भारत सरकार की सहायता से प्रयासरत थी। आज सृष्टि बिटिया का पार्थिव शरीर दिल्ली पहुंच गया है जहां से म.प्र. शासन की ओर से एयर एम्बुलेंस के माध्यम से सतना हवाई पट्टी लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ मै गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत पुण्ययात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें, शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929